देहरादून,पौड़ी–गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित
www.page3news.in
नगर संस्करण वर्ष 20 अंक: 356 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए
देहरादून, मंगलवार, 24 मार्च 2026

पेज थ्री

विचार–प्रवाह...
इस्लामाबाद की पुरानी नीति

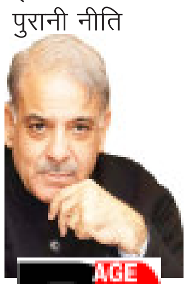

मौसम अधिकतम 25.0° न्यूनतम 14.0°

82924.41

2 कोलंबो पहुंचे दिल्ली में अमेरिकी राजदूत
7 सौरभ दुबे केकेआर टीम में शामिल

होर्मुज स्ट्रेट में रुकावट अस्वीकार्य

मिडल ईस्ट में जारी जंग पर लोकसभा में बोले प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को लोकसभा में अपनी बात रखी। पीएम मोदी ने कहा मिडिल ईस्ट में जारी जंग को लेकर कहा की पूरी दुनिया इस संकट से जल्द से जल्त समाधान के लिए सभी पक्षों से आग्रह कर रही है। लोकसभा में अपने संबोधन के दौरान पीएम मोदी ने कहा कि भारत के सामने भी इस युद्ध ने अप्रत्याशित चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। ये चुनौतियां आर्थिक भी हैं, राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी भी है और मानवीय भी हैं।

पीएम मोदी ने होमुर्ज स्ट्रेट में लगी पाबंदियों पर कहा होमुर्ज में रूकावट अस्वीकार्य है। वहीं, भारत की भूमिका स्पष्ट करते हुए कहा का भारत की भूमिका स्पष्ट है तनाव खत्म होना चाहिए। युद्धरत और युद्ध से प्रभावित देशों के साथ भारत के व्यापक व्यापारिक रिश्ते हैं। जिस क्षेत्र में ये युद्ध हो रहा है, वह दुनिया के दूसरे देशों के साथ हमारे व्यापार का भी एक महत्वपूर्ण रास्ता है। विशेष रूप से कच्चे तेल और गैस की हमारी जरूरतों का एक बड़ा हिस्सा यही क्षेत्र पूरा करता है।

सरकार संवेदनशील भी है, सतर्क भी है और हर सहायता के लिए तत्पर भी है। भारत में बड़ी मात्रा में कच्चा तेल, गैस और फर्टिलाइजर जैसी अनेक जरूरी चीजें हॉर्मुज स्ट्रेट के रास्ते से आती हैं। युद्ध के बाद से ही हॉर्मुज स्ट्रेट से जहाजों का आना जाना बहुत चुनौतीपूर्ण हो गया है। इसके बावजूद हमारी सरकार का प्रयास रहा है कि पेट्रोल, डीजल और गैस की सप्लाई बहुत ज्यादा प्रभावित न हो इस पर हमारा फोकस रहा है।

बीते दशक में भारत ने संकट के ऐसे ही समय के लिए कच्चे तेल के भंडारण को भी प्राथमिकता दी है। आज भारत के पास 53 लाख मीट्रिक टन से अधिक का स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व है और 65 लाख मीट्रिक टन से अधिक के रिजर्व की व्यवस्था पर देश काम कर रहा है। आज जिस स्केल पर वैकल्पिक ईंधन पर काम हो रहा है, उससे भारत का भविष्य और सुरक्षित होगा। एनर्जी आज इकोनॉमी की रीढ़ है और वैश्विक ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने वाला स्रोत पश्चिम एशिया है। दुनियाभर की इकोनॉमी अभी प्रभावित हो रही है।

पश्चिमी एशिया की हालत चिंताजनक

पीएम मोदी ने कहा कि इस समय पश्चिमी एशिया की हालत चिंताजनक है। बीते 2–3 हफ्तों में एस जयशंकर और हरदीप पुरी ने इस विषय पर संसद को जरूरी जानकारी दी है। अब इस संकट को 3 सप्ताह से ज्यादा हो रहा है। इसका पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था पर, लोगों के जीवन पर बहुत ही विपरित असर हो रहा है। इसलिए पूरी दुनिया इस संकट के जल्द से जल्द समाधान के लिए सभी पक्षों से आग्रह भी कर रही है।

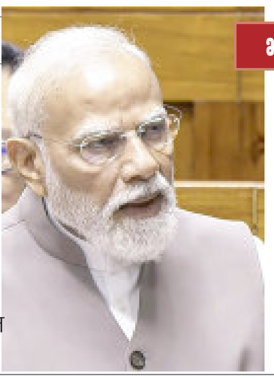

भारतीयों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता

पीएम मोदी ने कहा कि खाड़ी देशों में रह रहे भारतीयों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। ये आवश्यक है कि भारत की संसद से इस संकट को लेकर एकमत और एकजुट आवाज दुनिया में जाए। जबसे ये युद्ध शुरू हुआ है, तबसे ही प्रभावित क्षेत्रों में हर भारतीय को जरूरी मदद दी जा रही है। मैंने खुद पश्चिम एशिया के ज्यादातर राष्ट्राध्यक्षों के साथ दो बार फोन पर बात की है। सभी ने भारतीयों की सुरक्षा का पूरा आश्वासन दिया है। दुर्भाग्य से इस दौरान कुछ लोगों की दुखद मृत्यु हुई है और कुछ लोग घायल हुए हैं। ऐसे मुश्किल हालात में परिवारजनों को मदद दी जा रही है।

पेट्रोल–डीजल की सुचारु आपूर्ति बरकरार रखने की कोशिश जारी

पेट्रोल–डीजल की आपूर्ति लगातार बरकरार रखने की कोशिश की जा रही है। बीते एक दशक में उठाए गए कदम अब और भी प्रासंगिक हो गए हैं। भारत ने बीते 11 साल में अपनी ऊर्जा जरूरतों की आपूर्ति का डायवर्सिफिकेशन किया है। पहले भारत में 27 देशों से कच्चे तेल और गैस का आयात किया जाता था। अब भारत 41 देशों से ऊर्जा जरूरतों का आयात किया जाता है। भारत ने कच्चे तेल के भंडारण को भी प्राथमिकता दी है। हमारी एक और तैयारी बहुत काम आ रही है। बीते 10–11 साल में इथेनॉल की मिक्सिंग को बढ़ाया गया है। आज पेट्रोल में 20 फीसदी तक इथेनॉल की मिक्सिंग को बढ़ाया गया है।

संक्षिप्त समाचार

2026 में रूस दौरे पर जाएंगे पीएम मोदी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज मॉस्को। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस साल के रूस का दौरा करने वाले हैं। इसकी जानकारी खुद रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने दी है। उन्होंने कहा है कि रूस को उम्मीद है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस साल रूस का दौरा करेंगे। हम 2026 में पीएम मोदी के रूस दौरे का इंतजार कर रहे हैं। रूस और भारत की दशकों पुरानी दोस्ती इस बात का एक आदर्श उदाहरण है कि दो देशों के बीच आपसी संबंध कैसे होने चाहिए और कैसे बनाए जा सकते हैं।

उपभोक्ताओं को पूरा 14.2 किलो गैस मिलेगा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज नई दिल्ली। भारत में सोशल मीडिया पर एक खबर वायरल हुई, जिसमें दावा किया कि 14.2 किलोग्राम वाले एलपीजी सिलिंडर में 10 किलोग्राम ही गैस मिलेगी। पेट्रोलियम मंत्रालय की तरफ से सोमवार को बताया गया, 14.2 किलो वाला सिलिंडर में 10 किलो गैस देने वाली बात सिर्फ अफवाह है और ऐसी किसी अफवाह पर भरोसा न करें।

चार साल में विकास और सुशासन की नई पहचान बना उत्तराखंड

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चार वर्ष के कार्यकाल पर दी राज्य सरकार को बधाई

संवाददाता

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार के चार वर्ष पूरे होने पर शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री को भेजे गए अपने संदेश में प्रधानमंत्री ने कहा है कि देवभूमि उत्तराखंड के ऊर्जावान मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व में राज्य विकास, सुशासन और जनकल्याण के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने उत्तराखंड की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का उल्लेख करते हुए कहा कि देवभूमि सदियों से आस्था, अध्यात्म, साहस और समृद्ध परंपराओं की भूमि रही है। यहां की विविध भाषाएं–बोलियां, लोक परंपराएं और सरल जीवनशैली प्रदेश को विशिष्ट पहचान देती हैं। उन्होंने कहा कि जब से केंद्र में हमारी सरकार बनी है, तब से उत्तराखंड 'विकसित भारत' के संकल्प के अनुरूप लगातार नई ऊंचाइयों को छू रहा है। चार धाम ऑल वेदर रोड परियोजना के तहत चारधाम यात्रा को सुरक्षित और सुगम बनाने का कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है, वहीं ऋषिकेश–कर्णप्रयाग रेलवे लाइन के माध्यम से प्रदेश में रेल संपर्क को मजबूत किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री ने प्रदेश के सीमांत क्षेत्रों में कनेक्टिविटी बढ़ाने और शीतकालीन पर्यटन को प्रोत्साहित करने के प्रयासों को भी सराहा। उन्होंने कहा कि इन पहलों से न केवल पर्यटन को बढ़ावा मिला है, बल्कि पलायन रोकने और स्थानीय अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में भी मदद मिली है। अपने संदेश में प्रधानमंत्री ने राज्य सरकार द्वारा स्थानीय उत्पादों के प्रोत्साहन, महिला सशक्तिकरण, युवाओं के लिए रोजगार सृजन, स्टार्टअप्स को बढ़ावा तथा डिजिटल और हरित विकास जैसे प्रयासों को सराहनीय बताया। साथ ही, आपदा प्रबंधन की सुदृढ़ व्यवस्था और सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता को राज्य की प्रगति के लिए महत्वपूर्ण बताया। अंत में पीएम ने राज्य के नागरिकों को भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि आने वाले वर्षों में उत्तराखंड विभिन्न क्षेत्रों में नई उपलब्धियां हासिल करेगा।

प्रदेश के प्रत्येक नागरिक की सहभागिता अहम

प्रधानमंत्री ने विश्वास जताया कि 'अमृत काल' में विकसित भारत के निर्माण में उत्तराखंड की भूमिका और मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर, समृद्ध और सुदृढ़ उत्तराखंड के निर्माण में प्रदेश के प्रत्येक नागरिक की सहभागिता अहम है।

ईरान को समझौते की है सख्त जरूरत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच पिछले 24 दिनों से युद्ध छिड़ा हुआ है। लेकिन इस जंग के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने इस युद्ध के रुकने के संकेत दिए हैं। डोनल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर आज सोमवार को पोस्ट शेयर करते हुए बताया कि अमेरिका ने ईरान के साथ अच्छी और सार्थक बातचीत की है और वह सेना को ईरानी पावर प्लांटों और ऊर्जा बुनियादी ढांचे के खिलाफ किसी भी सैन्य हमले को टालने का आदेश देंगे।

ट्रंप ने अपने पोस्ट में लिखा, मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि पिछले दो दिनों में, संयुक्त राज्य अमेरिका और ईरान के बीच मध्य पूर्व में हमारी आपसी दुश्मनी को पूरी तरह से खत्म करने के संबंध में बहुत अच्छी और सार्थक बातचीत हुई है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने आगे लिखा, इन गहरी, विस्तृत और रचनात्मक बातचीत के मिजाज और लहजे को देखते हुए जो पूरे हफ्ते जारी रहेंगी। मैंने युद्ध विभाग को निर्देश दिया है कि वे ईरान के बिजली संयंत्रों और ऊर्जा बुनियादी ढांचे के खिलाफ किसी भी और सभी सैन्य हमलों को पांच दिनों के लिए टाल दें।

ट्रंप ने अपने फैसले पर आगे होने वाली चर्चा को लेकर लिखा, यह फैसला चल रही बैठकों और चर्चाओं की सफलता पर निर्भर करेगा। इस मामले पर अपना ध्यान देने के लिए आपका धन्यवाद!

संकेत

■डोनल्ड ट्रंप ने जल्द युद्धविराम के दिए संकेत

48 घंटे का अल्टीमेटम

राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान को स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को पूरी तरह से खोलने के लिए 48 घंटे का समय दिया था। ट्रंप ने कहा था, अगर इस समयसीमा में होर्मुज को नहीं खोला गया तो वे ईरान के पावर प्लांट पर हमला करेंगे। ट्रंप का 48 घंटे का अल्टीमेटम मंगलवार की शुरुआत के साथ ही समाप्त होने वाला था।

Are you Planning to make a Website or already have ?
If yes, then we are here to serve you
What we do
Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.
Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS
Search Engine Optimisation
A-2-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.
Gadoli Media Ventures
Contact:
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. I Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

अमेरिका से नहीं हो रही कोई बात

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

■ट्रंप के दावे को ईरान ने कर दिया खारिज

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने ईरान को दिया हुआ 48 घंटे का अल्टीमेटम खत्म होने के बाद एलान किया कि अमेरिका ईरान के पावर प्लांट्स पर अगले 5 दिन तक हमला नहीं करेगा। लेकिन ईरान ने ट्रंप के दावों को सिरे से ही खारिज कर दिया है। ईरान ने साफ तौर पर कहा है कि अमेरिका के साथ न कोई पहले कोई बातचीत हुई है और न ही अभी कोई बातचीत हो रही है। ईरान ने कहा है कि ट्रंप केवल ऊर्जा बाजार को स्थिर करने के लिए ऐसे बयान दे रहे हैं, क्योंकि कीमतें लगातार बढ़ रही हैं।

ईरान ने यह भी कहा है कि होर्मुज रूट खोलने को लेकर कोई फैसला नहीं किया गया है और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज की स्थिति युद्ध से पहले जैसी नहीं की जाएगी। ईरान ने चेतावनी दी है कि ऊर्जा बाजार इसी तरह अस्थिर बना रहेंगे। ईरान ने कहा कि ट्रंप केवल समय बिताने की कोशिश कर रहे हैं। ट्रंप केवल वित्तीय बाजारों के दबाव के चलते ईरान के क्रिटिकल इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमला करने से पीछे हट गए हैं।

इजरायल ने दक्षिणी लेबनान का कसमिया पुल किया ध्वस्त

रिपोर्ट

इजरायल ने हिजबुल्ला के खिलाफ जमीनी अभियान बढ़ाया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

तेहरान। इजरायली रक्षा बलों (आईडीएफ) ने दक्षिणी लेबनान में लिटानी नदी पर स्थित कासमिया (कासमिया) पुल पर हवाई हमला किया। यह हमला पुल के आसपास के इलाकों में रहने वाले लोगों को पहले से चेतावनी दिए जाने के कुछ घंटों बाद किया गया। यह पुल लेबनान के दक्षिणी हिस्से को देश के अन्य हिस्सों से जोड़ने वाला महत्वपूर्ण मार्ग है।

लेबनान की सरकारी समाचार एजेंसी (एनएनए) के अनुसार, पुल पर तीन अलग–अलग हमलों से व्यापक क्षति पहुंची है, जिसके कारण पुल अब पूरी तरह इस्तेमाल के अयोग्य हो गया है। एजेंसी ने बताया कि चौथा हमला भी हुआ, जिससे पुल के आसपास बिजली के नेटवर्क, दुकानें, बाग और पार्कों को भी गंभीर नुकसान पहुंचा है। लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ आउन ने इन हमलों की कड़ी निंदा की और कहा कि लिटानी नदी के पुलों को निशाना बनाना लेबनान की संप्रभुता का घोर उल्लंघन है। उन्होंने चेतावनी दी कि ये हमले स्थिति को और खतरनाक बनाने वाले हैं तथा जमीनी हमले की प्रस्तावना माने जा सकते हैं।

राष्ट्रपति आउन ने कहा कि लिटानी नदी पर पुलों को नष्ट करना दक्षिणी इलाके और देश के बाकी हिस्सों के बीच भौगोलिक संपर्क को तोड़ने की कोशिश है। इससे नागरिकों की आवाजाही बाधित हो रही है, मानवीय सहायता पहुंचने में रुकावट आ रही है और यह अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है।

इजरायल के रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने कहा कि आईडीएफ को लिटानी नदी पर हिजबुल्ला द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे सभी पुलों को तुरंत नष्ट करने का आदेश दिया गया है। साथ ही, सीमा के निकट घरों को गिराने की कार्रवाई में भी तेजी लाई जाएगी। काट्ज ने बयान में कहा, प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और मैंने आईडीएफ को निर्देश दिया है कि आतंकवादी गतिविधियों के लिए इस्तेमाल होने वाले लिटानी नदी के सभी पुलों को तत्काल नष्ट किया जाए। इससे हिजबुल्ला के आतंकवादियों और हथियारों को दक्षिण की ओर बढ़ने से रोका जा सकेगा। इजरायली सेना ने को घोषणा की कि वह लेबनान में हिजबुल्ला के खिलाफ अपने जमीनी अभियान का विस्तार कर रही है। सेना ने स्पष्ट किया कि यह अभियान लंबा चल सकता है।

लेफ्टिनेंट जनरल अयाल जमीर ने कहा कि हिजबुल्ला के खिलाफ यह अभियान अभी शुरू ही हुआ है और यह काफी लंबा चलेगा। हम अब सुनियोजित योजना के तहत लक्षित जमीनी अभियानों और हमलों को आगे बढ़ा रहे हैं। सेना के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल एफी डेफ्रिन ने बताया कि जमीनी अभियान के विस्तार की प्रक्रिया आने वाले सप्ताह में शुरू हो जाएगी।

न्यूज डायरी

ईरानियों का रक्षक बना श्रीलंका, कोलंबो पहुंचे दिल्ली में अमेरिकी राजदूत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कोलंबो। अमेरिका के दिल्ध्ली में राजदूत सर्गियो गोर दक्षिण एशिया की अपनी पहली यात्रा पर श्रीलंका पहुंचे हैं। अमेरिका के विशेष दूत सर्गियो की यह पहली दक्षिण एशिया यात्रा हैं। सर्गियो गोर भारत के एक और पड़ोसी देश मालदीव की यात्रा पर भी जाएंगे। अमेरिका के दक्षिण एशिया दूत गोर ऐसे समय पर श्रीलंका पहुंचे हैं जब ईरान को लेकर दोनों देशों के बीच तनाव देखने को मिला है। विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका इस इलाके में अपनी भूमिका बढ़ाना चाहता है और इसी वजह से सर्गियो गोर श्रीलंका और मालदीव की यात्रा पर हैं। उन्होंने कहा कि यह एक रणनीतिक संकेत है जो ऐसे समय पर हो रही है जब ईरान में युद्ध चल रहा है। भारत सरकार ने इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की है लेकिन यात्रा से पहले गोर ने भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाकार से मुलाकाल की थी। अमेरिका और श्रीलंका के बीच रिश्तों में हाल के दिनों में तनाव देखने को मिला है। अमेरिका की सबमरीन ने भारत से लौट रहे ईरान के युद्धपोत को श्रीलंका के गाले के पास टारपीडो से उड़ा दिया। इसके बाद श्रीलंका की नेवी एक्टिव हुई और उसने करीब 30 ईरानी नौसैनिकों को बचा लिया औ लाशों को निकाला। अमेरिका ने इन्हें ईरान नहीं भेजने के लिए कहा लेकिन श्रीलंका ने उसे खारिज कर दिया। ईरानी नौसैनिकों के शव अब तेहरान पहुंच गए हैं। इसी तरह से अमेरिका ने मिसाइल से लैस अपने फाइटर जेट को श्रीलंका के रनवे पर उतारना चाहा लेकिन कोलंबो की सरकार ने इसकी अनुमति देने से मना कर दिया। श्रीलंका का कहना है कि वह एक तटस्थ नीति का पालन करता है। रिपोर्ट के मुताबिक सर्गियो गोर की इस यात्रा पर भारत सरकार ने भी अपनी नजर गड़ा रखी है।

नेतन्याहू ने ईरान के पावर ग्रिड पर अमेरिकी हमले का किया समर्थन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) तेल अवीव। इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिका के साथ मिलकर ईरान के खिलाफ चल रहे युद्ध में मजबूत एकजुटता जताई है। उन्होंने कहा कि यदि तेहरान हॉर्मुज स्ट्रेट को नहीं खोलता है, तो वे ईरान के पावर ग्रिड पर अमेरिकी हमलों का पूरा समर्थन करेंगे। नेतन्याहू ने यह बयान दक्षिणी इजरायल के शहर अराद में ईरानी मिसाइल हमले के स्थल का दौरा करते हुए दिया, जहां उन्होंने विश्व नेताओं से इस युद्ध प्रयास में शामिल होने की अपील की। अराद में पत्रकारों से बातचीत में नेतन्याहू ने कहा कि जो भी हम करेंगे, हम साथ मिलकर करेंगे, और जहां तक संभव हो, गोपनीयता बनाए रखते हुए। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के हॉर्मुज स्ट्रेट को 48 घंटे के अंदर पूरी तरह खोलने के अल्टीमेटम का समर्थन किया। ट्रंप ने चेतावनी दी थी कि यदि ईरान ने स्ट्रेट नहीं खोला, तो अमेरिका ईरान के सबसे बड़े पावर प्लांट से शुरू करके उसके विभिन्न पावर प्लांटों को नष्ट कर देगा। नेतन्याहू ने जोर देकर कहा कि अमेरिका और इजरायल युद्ध के लक्ष्यों को हासिल करने के करीब पहुंच चुके हैं, जिसमें ईरान के न्यूक्लियर और मिसाइल कार्यक्रम को पूरी तरह नष्ट करना शामिल है। उन्होंने कहा कि ईरान का शासन न केवल इजरायल के लिए, बल्कि पूरी दुनिया के लिए खतरा है। हॉर्मुज स्ट्रेट से विश्व का लगभग 20 प्रतिशत तेल निर्यात होता है, युद्ध शुरू होने के बाद से ईरान द्वारा प्रभावी रूप से बंद कर दिया गया है।

अमेरिका में एयरपोर्ट पर हुए हादसे में 2 पायलटों की मौत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) न्यूयॉर्क। अमेरिका के न्यूयॉर्क स्थित ला गार्डिया एयरपोर्ट पर बड़ा विमान हादसा हो गया, जहां रनवे पर एयर कनाडा एक्सप्रेस का विमान ट्रक से टकरा गया। इस हादसे में विमान में सवार 100 से अधिक यात्रियों के घायल होने की भी खबर है। अमेरिकी मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, इस विमान हादसे में पायलट और सह–पायलट की मौत हो गई। घटना की शुरुआती जांच में सामने टक्कर से कुछ पल पहले ही पायलट और वाहन चालक दोनों को रुकने के निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद हादसा नहीं टल सका। फ्लाइट–ट्रैकिंग वेबसाइट ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि हवाई अड्डे पर लोगों को निकालने के लिए राहत बचाव का कार्य जारी है। घटना के तुरंत बाद अमेरिकी फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन ने सुरक्षा कारणों से हवाई अड्डे पर सभी उड़ानों के लिए ग्राउंड स्टॉप जारी कर दिया है।

जर्मनी से भारतीयों के लिए बड़ी खुशखबरी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बर्लिन। जर्मनी के सामने कामगारों की कमी का संकट गहराता जा रहा है। युवा आबादी के घटने के चलते जर्मनी दूसरे देशों से कुशल कामगारों को बुलाने का फैसला लिया है। इस कमी को पूरा करने के लिए जर्मनी की सरकार भारत की ओर देख रही है। जर्मनी युवा कामगारों की समस्या से पार पाने के लिए भारत से लोगों को बुला रहा है। हाल के वर्षों में लगातार जर्मनी की ओर से इसके लिए कदम उठाए गए हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, जर्मनी के अलग–अलग क्षेत्रों में भारतीय कर्मचारियों की संख्या बढ़ रही है। जर्मनी को इससे अपने कामकाज के लिए लोग मिल रहे हैं तो दूसरी ओर भारतीयों के लिए रोजगार के अवसर खुल रहे हैं। ऐसे में बूढ़े होते जर्मनी और युवा भारत, दोनों के लिए ये संबंध एक बड़ी राहत बना है।

जर्मनी इस समय गंभीर किस्म के जनसांख्यिकीय संकट से जूझ रहा है। जर्मनी में युवा आबादी लगातार कम हो रही है और बूढ़ों की संख्या बढ़ रही है।

वर्ष 2024 के एक अध्ययन के अनुसार, जर्मनी की अर्थव्यवस्था को हर साल 2,88,000 विदेशी कामगारों की जरूरत है क्योंकि देश में काम करने के लिए युवा नहीं हैं। जन्म दर कम होने के कारण ऐसा हो रहा है।

होर्मुज स्ट्रेट बंद नहीं हैः ईरानी विदेश मंत्री

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) तेहरान। ईरानी सरकार ने कहा है कि होर्मुज जलडमरूमध्य बंद नहीं किया गया है। इस समुद्री गलियारे से नौवहन जारी है लेकिन जहाजों को युद्ध से पैदा हुई स्थिति का ध्यान रखना होगा। ईरान के विदेश मंत्री ने इसी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा है कि जहाज यहां से निकलने से डर रहे हैं क्योंकि अमेरिका ने क्षेत्र पर युद्ध थोप रखा है और ईरान को धमकियां दी जा रही हैं। यह समझना चाहिए कि ईरानी धमकी से नहीं डरता बल्कि सम्मान से कही बात सुनता है। ईरान ने किसी का नाम लिए बिना तटस्थ देशों को रास्ता देने की बात कही है। ईरानी विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अंतर्राष्ट्रीय कानून के सिद्धांतों के लिए जिम्मेदार राष्ट्र के रूप में हमने नौवहन की स्वतंत्रता और समुद्री मार्गों की सुरक्षा को बनाए रखा है।

भारतीयों ने दिखाया कि वह कितना शानदार काम कर सकते है

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

■ इंडिया के फैन हुए अमेरिकन एक्सपर्ट फरीद जकारिया

वॉशिंगटन। भारत की फोन निर्माण के क्षेत्र में तरक्की के लिए अमेरिकन एक्सपर्ट फरीद जकारिया ने जमकर तारीफ की है। उन्होंने एक कार्यक्रम में बोलते हुए कहा कि कुछ वर्ष पहले तक माना जाता था कि स्मार्टफोन के क्षेत्र में भारत वह शानदार काम नहीं कर पाएगा, जो चीन कर रहा है। भारत ने इस धारणा को गलत साबित करते हुए चीन को पीछे छोड़ दिया है। जकारिया ने कहा कि चीन जैसा तेज रफ्तार विकास ना कर पाने के बावजूद भारत से बहुत कुछ सीखा जा सकता है।

फरीद जकारिया ने कहा, भारत ने सिर्फ चार सालों में अमेरिका के लिए स्मार्टफोन बनाने वाले सबसे बड़े देश के तौर पर चीन की जगह ले ली है। अब आपकी जेब में भारत में नया आईफोन है। भारत में जिस तरह की हाई–प्रिसिजन मैन्युफैक्चरिंग हो रही है। उसके बारे में पहले लोग कहते थे कि यह सिर्फ चीन में मुमकिन है। भारतीयों ने दिखाया कि वह कितना शानदार काम कर सकते हैं। भारतीय मूल के अमेरिकी फरीद जकारिया जाने–माने पत्रकार, राजनीतिक टिप्पणीकार और लेखक हैं।

फरीद जकारिया ने यह माना है चीन ने बीते दो–तीन दशकों में काफी ज्यादा तरक्की की है। इसके बावजूद वह मानते हैं कि भारत को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। फरीद के मुताबिक, भारत कभी चीन की तरह आगे नहीं बढ़ा है। इस सच्चाई के बावजूद विकासशील अर्थव्यवस्था वाला कोई देश चीन के मुकाबले भारत से ज्यादा सीख सकता है। भारत पिछले 25 सालों से दुनिया की दूसरी सबसे तेजी से बढ़ती हुई बड़ी अर्थव्यवस्था है। बीते साल जुलाई में भारत ने चीन को पीछे छोड़ा था और अमेरिका को सबसे ज्यादा स्मार्टफोन सप्लाई करने वाला देश बना था। बीते साल रिसर्च कंपनी कैलनेस ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि अमेरिका में भेजे जाने वाले स्मार्टफोन्स में से 44 प्रतिशत भारत में बने थे, जबकि एक साल पहले यानी 2024 में ये आंकड़ा सिर्फ 13 प्रतिशत था। चीन की हिस्सेदारी अमेरिका में 2024 में 61 फीसदी थी, जो 2025 में घटकर 25 प्रतिशत रह गई।

ईरान पर हमले की भूमिका बना रहा यूएई?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) दुबई। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की ओर से ईरान के खिलाफ युद्ध में उतरने के संकेत दिए गए हैं। यूएई की सत्ता के बड़े अधिकारियों की ओर से कहा गया है कि ईरान के खिलाफ सख्त फैसला लिया जा सकता है। ईरान ने अमेरिका और इजरायल के हमलों के जवाब में खाड़ी देशों में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है। इससे यूएई, सऊदी अरब, कतर कुवैत जैसे देशों में गुस्सा देखा जा रहा है। अमेरिका और इजरायल के साथ यूएई भी अगर ईरान पर हमलों में शामिल होता है तो युद्ध और ज्यादा भीषण रूप ले सकता है। यूएई के राष्ट्रपति के सलाहकार अनवर गर्गश ने कहा है कि लंबे समय तक क्षेत्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने और ईरान से होने वाले खतरों से निपटने के लिए हमें युद्धविराम तक सीमित नहीं रहने चाहिए।

Page Three
Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

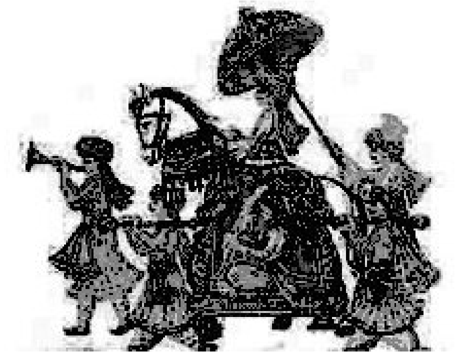

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

राज्य के समग्र विकास के लिए कार्य कर रही सरकार: डा धन सिंह रावत

राज्य सरकार के चार साल पूर्ण होने पर आयोजित हुए कार्यक्रम

कार्यक्रम

संवाददाता

चमोली। राज्य सरकार के कार्यकाल के चार वर्ष पूर्ण होने के मौके पर आयोजित जन जन की सरकार, 4 साल बेमिसाल कार्यक्रम का सोमवार को गोपेश्वर पुलिस मैदान में शुभारंभ किया गया। प्रशासन की ओर से कार्यक्रम के तहत जनपद में तीन दिवसीय कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। जिसमें जनपद के सभी विभागों की ओर से आम जन मानस को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ ही विभागों की उपलब्धियों की जानकारी दी जाएगी। कार्यक्रम के पहले दिन विभागों की ओर से लगाए गए 40 स्टॉलों के माध्यम से 254 लोगों को सरकार की योजनाओं से लाभान्वित किया गया।

पुलिस मैदान गोपेश्वर में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि थराली विधायक भूपाल राम टम्टा और जिला पंचायत अध्यक्ष दौलत सिंह बिष्ट ने सरस्वती के चित्र का माल्यार्पण कर और दीप प्रज्वलित

कर किया। कार्यक्रम के शुभारंभ के मौके पर अतिथि ने विभागों की ओर से लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण कर विभागीय गतिविधियों की जानकारी भी ली।

थराली विधायक ने अपने वक्तव्य में जनपद में सरकार की नीति से हो रहे विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के निर्देशन और सीएम धामी के नेतृत्व में उत्तराखण्ड समग्र विकास की राह पर तेजी से दौड़ रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार की ओर युवाओं के रोजगार, महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक रूप से मजबूत करने का कार्य किया जा रहा है। साथ चार धाम यात्रा और ग्रामीणों यातायात को सुगम करने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। उन्होंने सरकार के चार वर्ष के कार्यकाल को ऐतिहासिक बताया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वर्चुअल माध्यम से जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि आज से चार वर्ष पूर्व देवभूमि की जनता ने मिथक तोड़ते हुए भारतीय जनता पार्टी को उत्तराखण्ड के विकास की जिम्मदारी सौंपी थी। जिसके बाद मुख्य सेवक के रूप में पद और गोपनियता की शपथ लेने के साथ ही मैने राज्य आंदोलनकारियों के पृथक राज्य निर्माण के संकल्प को पूर्ण करने का भी संकल्प लिया था। जिसके अनुरूप हमारी सरकार की ओर से संकल्प से सिद्धि तक पहुंचने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है।

इस दौरान जनपद के प्रभारी मंदिर डॉ धन सिंह रावत ने वर्चुअल माध्यम से जन सभा को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार की ओर राज्य के साथ ही जनपद चमोली के समग्र विकास के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। जिसका परिणाम है कि जनपद में चार धाम यात्रा के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, संचार, स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में बदलाव आ रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में रोजगार और स्वरोजगार के क्षेत्र में भी अभूतपूर्व कार्य किए गए हैं।

न्यूज डायरी

चारधाम पंजीकरण केंद्र में वेतन के लाले

संवाददाता ऋषिकेश। चारधाम ट्रांजिट एवं पंजीकरण केंद्र में तैनात 25 कर्मचारियों को समय से भुगतान नहीं किया जा रहा है। शिकायत करने पर संबंधित आउटसोर्स एजेंसी संचालक उन्हें नौकरी से निकालने की धमकी दे रहा है। पीड़ित कर्मचारियों ने इसकी शिकायत सहायक श्रमायुक्त से की है, जिसपर उन्हें शीघ्र प्रभावी कार्रवाई का भरोसा मिला है। सोमवार को परेशान कर्मचारी शैल विहार स्थित सहायक श्रमायुक्त कार्यालय पहुंचे। उन्होंने शिकायती पत्र सहायक श्रमायुक्त शैलेष सती को सौंपा। बताया कि वह केंद्र में सुरक्षा, सफाई, पलम्बर, माली और इलेक्ट्रिशियन के तौर पर तैनात हैं। पूर्व में उन्हें महीने में छुट्टियां नहीं दी जा रही थी। शिकायत के बाद आउटसोर्स एजेंसी संचालक ने चार छुट्टियां तो दी, मगर न तो समय पर वेतन का भुगतान हो रहा है और न ही पीएफ का लाभ दिया जा रहा है। बताया कि दो से लेकर चार–चार महीने तक वेतन का भुगतान नहीं हो पाया है, जिससे न सिर्फ खुद, बल्कि परिवार को भरण–पोषण भी मुश्किल हो गया है।

युवाओं को सामाजिक उत्तरदायित्व का बोध कराता है एनएसएस: कुलपति

संवाददाता ऋषिकेश। श्री देव सुमन विवि परिसर ऋषिकेश का सात दिवसीय एनएसएस शिविर शुरू शुभारंभ अवसर पर छात्र छात्राओं ने दी सांस्कृतिक प्रस्तुतियांऋषिकेश, संवाददाता। श्रीदेव सुमन विवि परिसर ऋषिकेश का सात दिवसीय एनएसएस शिविर सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ शुरू हुआ। शिविर में 150 छात्र छात्राएं प्रतिभाग कर रहे हैं। पहले दिन वक्ताओं ने स्वयं सेवियों को एनएसएस की महत्ता की जानकारी दी।सोमवार को पीएमश्री राजकीय इंटरमीडिएट कॉलेज आईडीपीएल में श्रीदेव सुमन विवि परिसर ऋषिकेश के सात दिवसीय एनएसएस शिविर का शुभारंभ कुलपति प्रो. एनके जोशी व परिसर निदेशक प्रो. महावीर सिंह रावत ने संयुक्त रूप से किया।

वीवो वाय51 प्रो 5जी दमदार परफॉर्मेंस, स्मार्ट फीचर्स से लैस स्मार्टफोन

संवाददाता देहरादून । वीवो ने हाल ही में अपनी लोकप्रिय वाय–सीरीज का विस्तार करते हुए वीवो वाय51 प्रो लॉन्च किया है। यह स्मार्टफोन उन यूजर्स के लिए डिजाइन किया गया है जो भरोसेमंद परफॉर्मेंस, मजबूत बैटरी लाइफ और स्मार्ट फीचर्स को एक स्टाइलिश पैकेज में चाहते हैं। रोजमर्रा के उपयोग और लंबे समय तक चलने वाली पावर पर फोकस करते हुए, यह डिवाइस सक्षम हार्डवेयर और स्मार्ट सॉफ्टवेयर का बेहतरीन संतुलन पेश करता है। इस डिवाइस के केंद्र में मीडियाटेक डाइमेंसिटी 7360 टर्बो चिपसेट दिया गया है, जो रोजमर्रा के काम, एंटरटेनमेंट और गेमिंग के लिए भरोसेमंद परफॉर्मेंस देता है।

सड़क, रेल, रोपवे, सिंचाई और पेयजल से जुड़ी कई परियोजनाओं को मिली गति

संवाददाता देहरादून। डबल इंजन वाली सरकार के बीते चार साल के कार्यकाल में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के बीच मजबूत कैमिस्ट्री देखने को मिली। इस दौरान केंद्र सरकार ने जहां एक और राज्य के विकास में मील का पत्थर साबित होने वाली, कई महत्वाकांक्षी परियोजनाओं को मंजूरी दी, वहीं राज्य के विकास के लिए हजारों करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता भी प्रदान की है।

केंद्र सरकार के सहयोग से वर्तमान में उत्तराखंड के भीतर लगभग दो लाख करोड़ रूपए से अधिक लागत वाली विभिन्न विकास परियोजनाओं पर कार्य जारी है, जो आने वाले वर्षों में प्रदेश की आर्थिक और आधारभूत संरचना को नई दिशा देने वाली हैं। जल संसाधन के क्षेत्र में लंबे समय से जमरानी और सौंग बांध परियोजनाओं की प्रतीक्षा की जा रही थी, जिन्हें केंद्र सरकार से अंतिम मंजूरी मिल गई है। ये परियोजनाएं न केवल पेयजल और सिंचाई की जरूरतों को पूरा करेंगी, बल्कि शहरी विस्तार और औद्योगिक विकास के लिए भी आधार तैयार करेंगी।

बीते चार साल में रेल कनेक्टिविटी के मोर्चे पर भी उत्तराखंड ने उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। राज्य के 11 रेलवे स्टेशनों को अमृत भारत स्टेशन के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिससे यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी और पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। वहीं, टनकपुर से बागेश्वर तक प्रस्तावित रेल लाइन को केंद्र सरकार की मंजूरी मिलना, पर्वतीय क्षेत्रों के लिए एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

व्यापारियों के हितों की रक्षा हेतु प्रदेश सरकार संकल्पित: मदन कौशिक

संवाददाता हरिद्वार। प्रदेश के नवनियुक्त पंचायतीराज, आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास, आयुष एवं आयुष शिक्षा, पुनर्गठन, जनगणना, कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक का व्यापारी नेता वैभव सुखीजा के संयोजन में व्यापारियों ने भीमगोडा पर मिष्ठान वितरित कर भव्य स्वागत किया। भव्य स्वागत से अभिभूत कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक ने कहा कि प्रदेश सरकार व्यापारियों के हितों की रक्षा हेतु संकल्पित है। आगामी कुम्भ मेले को दिव्य व भव्य रूप प्रदान करने हेतु हरिद्वार में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है जिससे हरिद्वार में तीर्थाटन व पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन व मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व हरिद्वार में आयोजित होने वाले कुम्भ मेले में समूचे देश–दुनिया से करोड़ों की संख्या में श्रद्धालुजन हरिद्वार पधारेंगे। श्रद्धालुओं की सुविधाओं के दृष्टिगत व व्यापारियों के हितों की रक्षा करते हुए कुम्भ मेला आयोजन हेतु व्यवस्थाएं की जायेगी।

अर्थव्यवस्था से लेकर सामाजिक सूचकांक में तक शानदार सुधार

संवाददाता

■ चार साल के कार्यकाल में राज्य की अर्थव्यवस्था ने मजबूत प्रदर्शन किया

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के विगत चार साल के कार्यकाल में, राज्य के आर्थिक, सामाजिक सूचकांक प्रगति की असल कहानी बयां करते हैं। इस दौरान उत्तराखंड ने अर्थव्यवस्था से लेकर बुनियादी ढांचा, रोजगार और सामाजिक विकास के कई मानकों पर उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है।

धामी सरकार के चार साल के कार्यकाल में राज्य की अर्थव्यवस्था ने मजबूत प्रदर्शन किया है। रोजगार, स्वरोजगार को बढ़ावा दिए जाने के लिए जारी राज्य सरकार के प्रयासों से वर्ष 2024–25 में राज्य की जीएसडीपी 3,81, 889 करोड़ रुपए दर्ज की गई, इस तरह वर्ष 2021–22 के मुकाबले जीएसडीपी में डेढ़ गुना का उछाल आया है। इसी प्रकार प्रति व्यक्ति आय भी 2021–22 में 1 लाख 94 हजार 670 थी, जो अब बढ़कर 2 लाख 74 हजार रुपए तक पहुंच गई है। वर्ष 2024–25 में राज्य की ग्रोथ रेट 7.33 प्रतिशत रही। बीते चार साल में राज्य के मल्टी डायमेंशनल पॉवर्टी इंडेक्स में भी आशातीत सुधार आया है, वर्ष 2021–22 में 9.7 प्रतिशत के मुकाबले, यह अब घटकर 6.92 प्रतिशत पर आ गया है। वहीं ह्यूमन डेवलपमेंट इंडेक्स वर्ष 2021–22 में प्वाइंट 718 (.718) प्रतिशत था जो अब सुधर कर प्वाइंट 722 (.722) प्रतिशत हो गया है।

धामी सरकार के चार साल के कार्यकाल में राज्य के भीतर एमएसएमई इकाईयों की संख्या 59,798 से बढ़कर 79,394 तक पहुंच गई है, अकेले इस क्षेत्र में अब 4.56 लाख लोगों को रोजगार मिल रहा है। बीते चार साल में लार्ज इंडस्ट्री 107 से बढ़कर 128 और स्टार्टअप्स की संख्या 702 से बढकर 1,750 तक पहुंच गई है। साथ ही लेबर फोर्स पार्टसिपेशन रेट भी 64. 4 प्रतिशत हो गया है।

सीएम ने कहा कि पिछले चार वर्षों में उत्तराखंड ने विकास के हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छुआ है। हमारी सरकार ने 'विकल्प रहित संकल्प' के साथ प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य किया है। आज उत्तराखंड तेजी से देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो चुका है।

जगजीतपुर में घुसे एक दांत वाले जंगली हाथी ने मचाया उत्पात

संवाददाता हरिद्वार। हरिद्वार के जगजीतपुर में बीती रात एक दांत वाला हाथी आबादी क्षेत्र में घुस आया और उत्पात मचाया। फुटबॉल ग्राउंड के आसपास रिहायशी इलाके में हाथी को घूमता देख लोगों में अफरा–तफरी मच गई। बाद में वन विभाग की क्यूआरटी ने हाथी को किसी तरह जंगल की ओर खदेड़ा। जानकारी के अनुसार, वनकर्मियों को देखकर हाथी खेतों की ओर भागा और एक खेत में लगी तारबाड़ तोड़कर अंदर घुस गया। इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। रिहायशी क्षेत्र में आए दिन हाथियों की आवाजाही से लोग दहशत में हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, जगजीतपुर क्षेत्र पहले जंगल हुआ करता था, लेकिन आबादी बढ़ने के साथ जंगल खत्म होते गए।

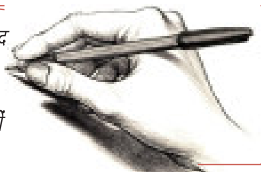

लड़ाई-झगड़ा, वाद-विवाद और होड़ा-होड़ी करके चाहे जो चीज मिल जाए पर धर्म जैसी चीज नहीं मिल सकती। -अज्ञात

इस्लामाबाद की पुरानी नीति

पाकिस्तान बार-बार अफगानिस्तान की संप्रभुता का उल्लंघन कर रहा है। इसकी वजह से गंभीर मानवीय संकट खड़ा हो चुका है। पाकिस्तान की कार्रवाई असल में अपनी नाकामियों का ठीकरा पड़ोसियों पर फोड़ने की उसकी नीति का एक हिस्सा है।

संजीव कुमार।।

इस समय सभी की नजरें अमेरिका–इजराइल और ईरान युद्ध पर है। संकरे–से होर्मुज स्ट्रेट पर पूरी दुनिया की सांस अटकी है। लेकिन, एक और इलाका है, जहां हालात तेजी से बिगड़ रहे हैं और निर्दोष लोगों को जान गंवानी पड़ रही है। अफगानिस्तान में पाकिस्तान के हवाई हमले अंतरराष्ट्रीय नियमों और मानवाधिकारों का खुला उल्लंघन है।

दोनों देशों के बीच ताजा टकराव पिछले महीने 26 तारीख को शुरू हुआ था, जब पाकिस्तान ने एकतरफा खुले युद्ध की घोषणा कर दी। काबुल–कंधार समेत कई इलाकों में पाकिस्तानी सेना ने एयरस्ट्राइक की है। तालिबान का आरोप है कि गुरुवार रात भी हवाई हमले किए गए, जिसमें कई लोगों की मौत हुई। जवाबी हमले तालिबान की तरफ से भी हो रहे हैं, लेकिन पाकिस्तान के मुकाबले उसकी सैन्य ताकत बेहद कम है, खासकर हवाई क्षमता।

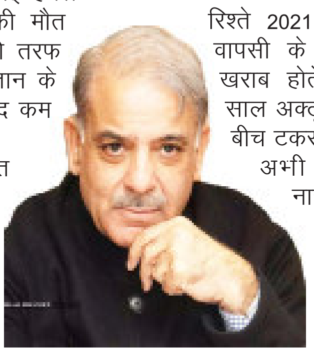

इस संघर्ष की सबसे बड़ी कीमत आम लोगों को चुकानी पड़ रही है। डूरंड रेखा के दोनों तरफ रहने वाले पहले ही आतंकवाद,गरीबी समेत तमाम कठिनाइयां झेल रहे हैं। दावों के मुताबिक पाकिस्तान के हमलों में 150 से ज्यादा अफगानियों की मौत हो चुकी है। इनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे है। लगभग 1.15 लाख लोगों को अपना घर–बार छोड़ना पड़ा है।

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के रिश्ते 2021 में तालिबान की वापसी के बाद से लगातार खराब होते गए हैं। पिछले साल अक्टूबर में भी दोनों के बीच टकराव हुआ था, लेकिन अभी हालात ज्यादा नाजुक है। पाकिस्तान बार–बार अफगानिस्तान की संप्रभुता का उल्लंघन कर रहा है। इसकी वजह से गंभीर मानवीय संकट खड़ा हो चुका है। पाकिस्तान की कार्रवाई असल में अपनी नाकामियों का ठीकरा पड़ोसियों पर फोड़ने की उसकी नीति का एक हिस्सा है।

भारत ने यूएनएससी में पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय नियमों के उल्लंघन पर लताड़ा है। संयुक्त राष्ट्र और बाकी जिम्मेदार सदस्य देशों को भी इस मामले में दखल देना चाहिए। दुनिया के बाकी संघर्षों की तरफ ही अफगानिस्तान में भी मासूम जानें दांव पर लगी है। उनको तालिबान शासन की वजह से अकेला नहीं छोड़ा जा सकता। यह लड़ाई पाकिस्तान के दोहरे चरित्र को दिखाती है जब उसे जरूरत होती है तो वह इस्लामिक देशों के बीच एकता की अपील करता है, लेकिन अभी वह एक इस्लामिक देश को ही निशाना बना रहा है।

मानवीय जरूरत

अशोक वोहरा। समझा जाना मतलब यह है कि कोई आपकी स्थिति को महसूस करने की कोशिश करे। यह एक मानवीय जरूरत है, जो उम्र, पद या सफलता से कम नहीं होती।

धर्म-दर्शन

शायद इसीलिए बड़े पदों पर बैठे लोग भी भीतर से खाली महसूस करते हैं। हमारे समाज में खुशी को लक्ष्य बना दिया गया है। हर कोई कहता है कि खुश रहो। पर कोई यह नहीं सिखाता कि पहले खुद को समझो। खुशी परिणाम है, समझ प्रक्रिया है। जब समझ आती है, तो खुशी अपने आप जन्म लेती है। बिना समझ के खुशी केवल क्षणिक राहत बनकर रह जाती है। रिश्तों में भी यही होता है। हम चाहते हैं कि सामने वाला खुद को बदल ले, हमें बेहतर महसूस कराए, हमें खुश रखे। पर हम यह नहीं पूछते कि क्या हम उसे समझ पा रहे हैं।

...शेष कल

संपादकीय

देश की प्रतिष्ठा

हमारे समाज में परिवार को हमेशा एक मजबूत संस्था माना गया है। परिवार केवल साथ रहने की व्यवस्था नहीं है, बल्कि भावनात्मक सुरक्षा, विश्वास और आपसी समझ का आधार भी है। जब परिवार के अंदर की समस्याओं को सार्वजनिक तमाशा बना दिया जाता है, तो यह उस भरोसे को कमजोर करता है जो रिश्तों की नींव होता है। इसके अलावा, सोशल मीडिया पर आने वाले दर्शकों में बड़ी संख्या युवा और किशोरों की भी होती है। वे जो कुछ देखते हैं, उससे प्रभावित होते हैं। अगर वे बार–बार यह देखेंगे कि लोकप्रियता पाने के लिए निजी विवादों को सार्वजनिक करना सामान्य बात है, तो उनके मन में भी यही धारणा बन सकती है कि जीवन में सफलता के लिए किसी भी हद तक जाना स्वीकार्य है। असल सवाल जिम्मेदारी का है। जब किसी के पास हजारों या लाखों लोगों तक पहुंचने की ताकत होती है, तो उसके साथ एक सामाजिक जिम्मेदारी भी जुड़ जाती है। कंटेंट क्रिएटर्स को यह समझना चाहिए कि उनकी सामग्री केवल मनोरंजन ही नहीं करती, बल्कि लोगों की सोच और दृष्टिकोण को भी प्रभावित करती है।

आज सोशल मीडिया की दुनिया में लोकप्रियता की एक नई परिभाषा बन चुकी है फॉलोअर्स, लाइक्स, शेयर और व्यूज। जितने ज्यादा ये आंकड़े होते हैं, उतना ही किसी व्यक्ति को सफल माना जाता है।

लोकप्रियता की नई परिभाषा

डॉ. सत्यवान सौरभ।।

डिजिटल युग ने अभिव्यक्ति के नए दरवाजे खोले हैं। इंटरनेट और सोशल मीडिया ने हर व्यक्ति को अपनी बात दुनिया तक पहुँचाने का अवसर दिया है। पहले जहां सूचना और मनोरंजन के साधन सीमित थे, वहीं आज कोई भी व्यक्ति अपने मोबाइल फोन के जरिए वीडियो बना सकता है, ब्लॉग लिख सकता है और लाखों लोगों तक अपनी बात पहुँचा सकता है। यह बदलाव लोकतांत्रिक भी है और प्रेरणादायक भी। लेकिन हर बदलाव के साथ कुछ नई चुनौतियाँ भी जन्म लेती हैं।

आज सोशल मीडिया की दुनिया में लोकप्रियता की एक नई परिभाषा बन चुकी है फॉलोअर्स, लाइक्स, शेयर और व्यूज। जितने ज्यादा ये आंकड़े होते हैं, उतना ही किसी व्यक्ति को सफल माना जाता है। इसी होड़ ने कई कंटेंट क्रिएटर्स को ऐसी राह पर ला खड़ा किया है, जहां निजी जीवन की मर्यादाएं भी कंटेंट का हिस्सा बनती जा रही हैं। बीते कुछ वर्षों में एक नया ट्रेंड तेजी से उभरा है पारिवारिक झगड़ों और निजी विवादों को कैमरे के सामने लाकर सोशल मीडिया पर साझा करना। पति–पत्नी के विवाद, भाई–बहन के मतभेद, सास–बहू की तकरार या परिवार के अंदर की छोटी–छोटी बहसें जो पहले घर की चारदीवारी में सुलझा ली जाती थीं अब वीडियो और पोस्ट के रूप में लाखों दर्शकों के सामने परोसी जा रही हैं।

कई यूट्यूबर्स और ब्लॉगर इसे "रियल लाइफ कंटेंट" का नाम देते हैं। उनका तर्क होता है कि दर्शक वास्तविकता देखना चाहते हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या हर वास्तविक घटना को सार्वजनिक करना जरूरी है? क्या निजी रिश्तों को दर्शकों की जिज्ञासा के लिए खोल देना उचित है?

असल में सोशल मीडिया का एल्गोरिथ्म भी इस प्रवृत्ति को बढ़ावा देता है। जिस कंटेंट में विवाद, भावनात्मक प्रतिक्रिया या सनसनी होती है, वह तेजी से वायरल होता है। लोग ऐसे वीडियो पर ज्यादा कमेंट करते हैं, अपनी राय देते हैं और कभी–कभी पक्ष या विपक्ष में बहस भी करते हैं। यही कारण है कि कुछ क्रिएटर्स जानबूझकर ऐसे विषय चुनते हैं जो लोगों की भावनाओं को भड़का सकें। दुर्भाग्य की बात यह है कि कई बार ये झगड़े वास्तविक होते हैं और परिवार के सदस्यों की निजता दांव पर लग जाती है।

एक छोटी सी तकरार को कैमरे के सामने लाकर बड़ा मुद्दा बना दिया जाता है। इससे न केवल रिश्तों की गरिमा प्रभावित होती है, बल्कि परिवार के अन्य सदस्योंकृविशेषकर बच्चों पर भी इसका नकारात्मक असर पड़ सकता है। कुछ मामलों में तो यह भी देखने में आया है कि विवादों को जानबूझकर बढ़ा–चढ़ाकर पेश किया जाता है या फिर पूरी तरह से स्क्रिप्टेड होता है। यह स्थिति मनोरंजन और वास्तविकता के बीच की रेखा को धुंधला कर देती है।

सोशल मीडिया के इस दौर में "वायरल" होना ही सफलता का पर्याय बन गया है। जब किसी वीडियो को लाखों व्यूज मिलते हैं और हजारों नए फॉलोअर्स जुड़ते हैं, तो क्रिएटर को लगता है कि उसने सही रास्ता चुना है। लेकिन यह लोकप्रियता अक्सर क्षणिक होती है। जिस विवाद ने एक दिन दर्शकों का ध्यान खींचा, वही अगले दिन किसी और नए विवाद से दब जाता है। इस प्रवृत्ति का एक सामाजिक पहलू भी है। जब दर्शक बार–बार ऐसे कंटेंट देखते हैं, तो धीरे–धीरे उन्हें यह सामान्य लगने लगता है कि निजी रिश्तों को सार्वजनिक मंच पर लाकर चर्चा का विषय बनाया जाए। इससे समाज में गोपनीयता और मर्यादा की भावना कमजोर पड़ सकती है। असल सवाल जिम्मेदारी का है। जब किसी के पास हजारों या लाखों लोगों तक पहुंचने की ताकत होती है, तो उसके साथ एक सामाजिक जिम्मेदारी भी जुड़ जाती है।

सूडोकु नवताल- 5346 *****

7							4	
		5		3			7	
					8			2
					1	9		
	2						8	
		6	7					
1			4					
	9			2		5		
	8							1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु नवताल -5345 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

अपना ब्लॉग

संतुलन और समझदारी

मोहन। आज जरूरत इस बात की है कि सोशल मीडिया के उपयोग में संतुलन और समझदारी लाई जाए। निजी जीवन की सीमाएं तय की जाएं और यह समझा जाए कि हर घटना को सार्वजनिक करना आवश्यक नहीं होता। लोकप्रियता और फॉलोअर्स का महत्व अपनी जगह है, लेकिन रिश्तों की गरिमा और व्यक्तिगत सम्मान उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण हैं। अंततः यह याद रखना जरूरी है कि सोशल मीडिया एक साधन है, लक्ष्य नहीं। इसका उपयोग ज्ञान, संवाद और सकारात्मक बदलाव के लिए किया जा सकता है। लेकिन जब यह केवल लोकप्रियता की अंधी दौड़ में बदल जाता है, तो इसके दुष्परिणाम भी सामने आने लगते हैं। फॉलोअर्स और व्यूज की यह भूख अगर इसी तरह बढ़ती रही, तो कहीं ऐसा न हो कि एक दिन लोग लोकप्रिय तो हो जाएं, लेकिन अपने ही रिश्तों और मूल्यों से दूर हो जाएं। इसलिए समय रहते यह समझना जरूरी है कि सच्ची सफलता वही है, जो सम्मान और संवेदनशीलता के साथ हासिल की जाए न कि रिश्तों की नीलामी करके। दर्शकों की भी इसमें भूमिका कम नहीं है। आखिर वही तय करते हैं कि किस प्रकार का कंटेंट ज्यादा देखा जाएगा और किसे नजरअंदाज किया जाएगा। अगर दर्शक केवल सनसनी और विवाद वाले वीडियो को ही बढ़ावा देंगे, तो स्वाभाविक है कि ऐसे कंटेंट की संख्या बढ़ती जाएगी।

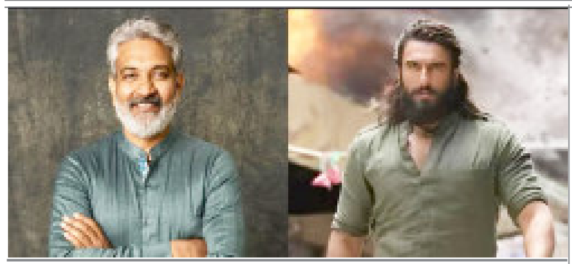

धुरंधर 2 देखकर गदगद हुए बाहुबली निर्देशक राजामौली

एक्शन थ्रिलर फिल्म धुरंधर द रिवेंजश ने रिलीज के साथ ही बॉक्स ऑफिस में धमाल मचाने के साथ हर तरफ से वाहवाही बटोरी है। बॉलीवुड से लेकर साउथ सिनेमा तक के कई बड़े स्टार्स फिल्म की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। अब इस लिस्ट में बाहुबली और बाहुबली 2 जैसी फिल्में बनाने वाले दिग्गज निर्देशक एस.एस. राजामौली का भी नाम जुड़ गया है। फिल्म देखने के बाद निर्देशक एसएस राजामौली इसकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। दरअसल, उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर फिल्म की जमकर सराहना की। उन्होंने एक लंबा–चौड़ा नोट लिखा, जिसमें उन्होंने आदित्य धर, रणवीर सिंह और आर माधवन के साथ–साथ फिल्म की पूरी टीम को बधाई दी। राजामौली ने लिखा, पहले मुझे फिल्म धुरंधर बहुत पसंद आई थी, लेकिन धुरंधरः द रिवेंज ने स्केल और भावनाओं के मामले में मूल फिल्म को पीछे छोड़ दिया। फिल्म की कहानी, कलाकारों का चयन, तकनीकी पक्ष, संगीत, धुरंधर का निर्माण और निर्देशन सब कुछ शानदार है, लेकिन सबसे खास बात इसके भावनात्मक पहलू हैं। कहानी में ऐसे ट्विस्ट हैं जो तनाव के साथ भावनाएं भी जगाते हैं। निर्देशक ने आदित्य धर को कमाल का बताया और कहा कि करीब 4 घंटे की लंबी फिल्म बनाना और फिर उसे रिलीज करना बड़ी हिम्मत का काम है, लेकिन सबसे खास बात ये है कि दर्शक पूरी फिल्म में सीट से चिपके रहे। रणवीर सिंह की परफॉर्मेंस पर राजामौली ने खास तारीफ की। उन्होंने लिखा, रणवीर, क्या कमाल की एक्टिंग की है। बहन के साथ शेड वाला सीन तो एक्टिंग का मास्टरक्लास है। शुरुआत से क्लाइमैक्स तक दोनों किरदारों (हमजा और जसकीरत) में तुमने सबको मंत्रमुग्ध कर दिया।

कंगना रनौत ने धुरंधर 2 के लिए बांधे आदित्य धर की तारीफों के पुल

कंगना रनौत ने फिल्म धुरंधर–2 की खुलकर तारीफ की है, लेकिन फिल्म के किसी किरदार का जिक्र नहीं किया है। अभिनेत्री ने फिल्म की सफलता का सारा श्रेय आदित्य धर को दिया है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर निर्देशक के नाम पोस्ट लिखा है और उन्हें युवाओं की प्रेरणा बताया है। कंगना ने लिखा, श्धुरंधर की सफलता की सबसे अच्छी बात यह है कि आदित्य धर एक सुपरस्टार निर्देशक के रूप में स्थापित हो गए हैं। जैसे हॉलीवुड के सुपरस्टार निर्देशक हमेशा सुपरस्टार अभिनेताओं से कहीं ज्यादा बड़े होते हैं। अपने पोस्ट में कंगना ने आदित्य धर की तुलना हॉलीवुड के बड़े निर्देशक और निर्माता से की और उनका मानना है कि बॉलीवुड में सिर्फ मुख्य अभिनेता की बातें होती हैं, लेकिन अपनी पूरी मेहनत लगाकर फिल्म बनाने वाले निर्देशकों के बारे में कुछ कहा नहीं जाता।

अरमान मलिक ने बताया कब होगी पायल मलिक की डिलीवरी

यूट्यूबर और बिग बॉस ओटीटी 3 कंटेस्टेंट अरमान मलिक की पहली पत्नी पायल मलिक प्रेग्नेंट हैं। वह चौथे बच्चे को जन्म देने वाली हैं। 20 मार्च को उनका 9वा महीना भी शुरू हो गया है। डॉक्टर्स से बीते दिनों उन्होंने डिलीवरी डेट्स पूछी थीं, जिसमें उन्हें 1 अप्रैल से 6 अप्रैल के बीच की तारीख मिली थी। हालांकि पायल और कृतिका कन्फ्यूज थीं कि वह नन्हें मेहमान को कब इस दुनिया में लेकर आएं। तो अब उस सस्पेंस से पर्दा उठ गया है। दरअसल, अरमान मलिक ने पहले पायल मलिक से शादी की थी और बेटे चीकू का स्वागत किया था। इसके बाद उन्हें पत्नी की ही दोस्त कृतिका से भी प्यार हुआ और उनसे भी उन्होंने शादी कर ली थी, जिनसे बेटा जेद हुआ। हालांकि पायल ने भी दूसरी बाद प्टथ के जरिए जुड़वा बच्चों को जन्म दिया। एक बेटी तूबा और बेटा अयान हुआ। ऐसे में पायल तीन और कृतिका एक बच्चे की मां हैं। पायल मलिक ने इस बार नैच्युरल कंसीव किया और अगस्त, 2025 में प्रेग्नेंसी का ऐलान किया। अब मार्च में उन्होंने अपनी डिलीवरी डेट बताई। 21 मार्च को यूट्यूब पर अपलोड किए गए व्लॉग में उन्होंने बताया कि वह 1 अप्रैल की सुबह 9 बजे बच्चे को जन्म देंगी। अरमान मलिक दोनों पत्नियों के साथ डॉक्टर के पास गए थे। वहीं पर सलाह मश्वरा करने के बाद ये तारीख तय की गई।

सड़क किनारे लोगों के कपड़े प्रेस करते दिखे सुनील ग्रोवर

सुनील ग्रोवर आज किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं और उनके टैलेंट के आगे हर कोई नतमस्तक है। कपिल शर्मा के शो में उन्होंने सलमान खान से लेकर आमिर खान, गुलजार और अब हाल ही कादर खान बनकर जो किया, उसने हर किसी को अपना मुरीद बना लिया। बॉलीवुड सेलेब्स तो सुनील ग्रोवर को कादर खान के रूप में देख उनकी तारीफ करने से खुद को रोक नहीं पाए। और सुनील ग्रोवर हैं कि वह इस स्टारडम से परे एक आम जिंदगी जीते हुए फैंस को इम्प्रैस करने का कोई मौका नहीं छोड़ते। वह कभी सड़क किनारे गन्ने का जूस बनाते दिख जाते हैं, तो कभी सरकारी नल पर कपड़े धोते, तो कभी चाय की टपरी पर चाय बेचते। और अब सुनील ग्रोवर सड़क किनारे लोगों के कपड़ों पर प्रेस करते दिखे, तो फैंस हैरान रह गए।

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

लोगों के कपड़ों पर प्रेस करते दिखे

सुनील ग्रोवर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह सड़क किनारे एक तंबू में कपड़ों पर प्रेस करते नजर आ रहे हैं। बराबर में एक आदमी बैठा है, जो सुनील ग्रोवर को प्रेस करता देख मुस्कुरा रहा है। शायद वह उस दुकान का मालिक है। वीडियो में सुनील ग्रोवर कोयले वाली प्रेस से पैंट पर इस्त्री कर रहे हैं और इस काम में ऐसे मशगूल हैं, जैसे उन्हें दीन–दुनिया से मतलब ही नहीं। वीडियो शेयर कर सुनील ग्रोवर ने लिखा है, हैलो फ्रेंड्स, अच्छे कपड़े पहन लो।

ये बंदा अलग, लेजेंड है एकदम

इस वीडियो पर फैंस और सेलेब्स के जबरदस्त कमेंट्स आ रहे हैं।

एक फैन ने लिखा है, सुनील सर आप लेजेंड हो। आपके जैसे बहुत कम लोग हैं इस धरती पर। आप इतने ज्यादा टैलेंटेड हैं कि आपकी तारीफ करने बैठो तो एक प्रकाश वर्ष भी कम पड़ जाए। और आपके जैसे टैलेंटेड लोग अक्सर बहुत डाउन टू अर्थ होते हैं। आपको भगवान सदा खुश रखे और आपको अच्छी सेहत दे। एक ने लिखा है, ये बंदा ही अलग है। एक और कमेंट है, सुनील ग्रोवर सभी किरदारों को प्रैक्टिली रियल लाइफ में एक्सपीरियंस करते हैं और फिर उन्हें पर्दे पर निभाते हैं। हर एक्टर को उनसे सीखना चाहिए। एक बोला, ये सारा का सारा टैलेंट क्या भगवान ने आपमें भर दिया?

सुनील ग्रोवर ने कपिल के शो में निभाए ये किरदार

सुनील ग्रोवर ने कपिल शर्मा के शो में अभी तक जो किरदार निभाए हैं, उनमें गुत्थी, डॉ. मशूर गुलाटी, रिंकू भाभी, भिंडी भाई, चुटकी, डफली और इंजीनियर चुंबक मित्तल शामिल हैं। इसके अलावा उन्होंने शो में सलमान खान, आमिर खान, एसएस राजामौली, नवजोत सिंह सिद्धू, गुलजार, कपिल देव और हाल ही कादर खान की मिमिक्री की और सभी को हैरान कर दिया।

सुनील ग्रोवर का स्ट्रगल, ऐसे मिला स्टारडम

सुनील ग्रोवर को अपने करियर में बहुत स्ट्रगल करना पड़ा था। उन्होंने फिल्मों में करियर की शुरुआत अनीस बज्मी की फिल्म प्यार तो होना ही था से की थी। इसमें उन्होंने तोताराम नाम के एक नाई का किरदार निभाया था, जो गलती से अजय देवगन की मूंछें काट देता है। फिर उन्होंने जसपाल भट्टी के साथ भी काम किया और कॉमेडी की बारीकियां सीखीं। सुनील ग्रोवर ने फिर फिल्मों में छोटे–मोटे रोल किए, पर पॉपुलैरिटी श्कॉमेडी नाइट्स विद कपिलश से मिली थी। इसके बाद सुनील ग्रोवर ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। तब से वह कई सीरीज और जवान जैसी फिल्में कर चुके हैं।

प्रियंका चोपड़ा ने ओपन कार में ड्राइव करते हुए बनाया रील

प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस अपने काम की व्यस्तता से आखिरकार वक्त निकालने में सफल दिखे। दोनों का एक मजेदार वीडियो सामने आया है जिसमें प्रियंका किसी राजकुमारी की तरह सड़क पर एक ओपन कार में निक जोनस के साथ ड्राइव का लुत्फ उठाती दिख रही हैं।

प्रियंका ने इंस्टाग्राम पर ये मजेदार वीडियो शेयर किया, जिसमें वो अपने पति निक जोनस की ड्राइविंग के दौरान श्पैसेंजर प्रिंसेसश बनकर इसका मजा लेती दिख रही हैं। वीडियो शेयर करते हुए प्रियंका ने लिखा, श्मम्मी–डैडी वाले दिन मेरे फेवरेट हैं। निक कार ड्राइव करते दिख रहे हैं और प्रियंका रील बना रही हैं। वीडियो में कार रेड लाइट पर रुकती है और उनकी कार के पास ही दूसरी कार भी खड़ी दिख रही है। हालांकि, रेड लाइट खत्म होते ही निक अपनी ड्राइविंग पर फोकस कर रहे हैं और प्रियंका उनपर प्यार जताती नजर आ रही हैं।

फैन्स ने कहा- एक ब्रेक की सख्त जरूरत थी

वीडियो पर लोगों ने लिखा है– आप दोनों को एक ब्रेक की सख्त जरूरत थी। एक ने लिखा है– आप दोनों बहुत मेहनत करते हैं। लोगों ने उन्हें इंजॉय करने की सलाह दी है।

हालिया रिलीज फिल्म द ब्लफ के प्रमोशन में बिजी

वर्कफ्रंट की बात करें तो प्रियंका पिछले दिनों हालिया रिलीज फिल्म श्द ब्लफश के प्रमोशन में बिजी थीं। वहीं निक अपने नए एल्बम श्संडे बेस्टश के प्रमोशन में जुटे थे। इन सबके अलावा, दोनों ने पिछले दिनों गोल्डन ग्लोब अवार्ड्स और एकेडमी अवार्ड्स समेत कई इंटरनैल रेड कार्पेट पर भी नजर आए। ऑस्कर में प्रियंका ने प्रेजेंटर की जिम्मेदारी भी संभाली।

प्रियंका चोपड़ा की आनेवाली बिग बजट फिल्म

यहां ये भी बता दें कि प्रियंका चोपड़ा जल्द ही वाराणसी की शूटिंग फिर से शुरू करने वाली हैं। ये फिल्म उनकी 8 साल के गैप के बाद भारतीय सिनेमा में उनके कमबैक की तरह ह। एसएस राजामौली द्वारा निर्देशित इस फिल्म में महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन भी लीड रोल में हैं। राजामौली ने ये भी कन्फर्म किया है कि फिल्म के एक फ्लैशबैक सीन में महेश बाबू भगवान राम के रूप में देखेंगे। यह फिल्म कथित तौर पर 1,000 करोड़ रुपये के बजटमें तैयार हो रही है जो सबसे महंगी भारतीय फिल्मों में से एक होगी। फिल्म की शूटिंग का काम जारी है जिसे अप्रैल 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज किया जाना है।

Page3news

कब मिलता है ब्लैडर कैंसर का सबसे बड़ा संकेत?

पेशाब के साथ शरीर के टॉक्सिन बाहर निकल जाते हैं। लेकिन अगर इसमें खून की मात्रा भी निकल रही है तो आपको सावधान हो जाना चाहिए। क्योंकि यह ब्लैडर कैंसर के खतरे की चेतावनी हो सकती है। लेकिन इस समस्या के पीछे किडनी इंफेक्शन या किडनी स्टोन भी होता है।

पेशाब में होने वाले बदलाव से कई सारी गंभीर समस्याओं की जानकारी मिल सकती है। इसलिए अपने सभी मरीजों को यूरिन में होने वाले किसी भी असामान्य बदलाव को नजरअंदाज ना करने की सलाह देता हूं। पेशाब में खून आना एक गंभीर समस्या है, जो ब्लैडर कैंसर से जुड़ी हो सकती है। अगर आपको ब्लैडर कैंसर का ज्यादा जोखिम है, दर्द के बिना यूरिन में बार–बार खून आ रहा है और इसके साथ ब्लैडर कैंसर के दूसरे लक्षण भी दिख रहे हैं तो इस जानलेवा बीमारी की मजबूत आशंका बन जाती है।

मेडिकल भाषा में कहते हैं हेमेट्यूरिया

पेशाब में खून आने की समस्या को मेडिकल भाषा में हेमेट्यूरिया कहा जाता है। इसके पीछे यूरिन इंफेक्शन, किडनी स्टोन या कुछ दवाइयों का साइड इफेक्ट हो सकता है। लेकिन अगर यह संकेत बार–बार दिखता है तो ब्लैडर कैंसर की शुरुआत का इशारा भी हो सकता है। अगर इस कैंसर को शुरुआती स्टेज में पकड़ लिया जाए तो आसानी से इलाज हो सकता है।

ब्लैडर कैंसर का बड़ा संकेत कब होता है हेमेट्यूरिया?

यूरिन में होने वाली ब्लीडिंग इसलिए भी ज्यादा खतरनाक हो जाती है, क्योंकि यह मरीजों को चकमा दे सकती है। कई बार यह समस्या बिना किसी दर्द या तकलीफ के होती है, जिस वजह से मरीज का ध्यान इसपर तबतक नहीं जाता, जबतक कि वो अपने यूरिन का रंग नहीं देख लेता। लेकिन इसी स्थिति में यह ब्लैडर कैंसर का सबसे प्रमुख संकेत साबित होता है। पेशाब में खून आना बेहद चिंता का विषय है और इसे एक बार भी इग्नोर नहीं करना चाहिए। डॉक्टर के पास जाकर इसकी जांच जरूर करवानी चाहिए।

किन लोगों को है ज्यादा जोखिम?

हमारे शरीर में यूरिन को स्टोर करने का काम ब्लैडर नाम की थैली करती है, जिसे हिन्दी में मूत्राशय कहते हैं। इसमें शुरू होने वाले कैंसर को ब्लैडर कैंसर कहा जाता है। आमतौर पर यह कैंसर ब्लैडर की अंदरुनी परत से शुरू होता है। धूम्रपान करने वाले, केमिकल्स के संपर्क में रहने वाले, उम्रदराज व्यक्ति और बार–बार यूरिन इंफेक्शन झेलने वाले लोगों को इसका खतरा ज्यादा होता है।

जांच और इलाज का तरीका

डॉक्टर सबसे पहले मरीज की स्थिति जांचता है। उसके मुताबिक, यूरिन टेस्ट, अल्ट्रासाउंड, सीटी स्कैन और सिस्टोस्कोपी जैसे टेस्ट की सलाह देता है। हर कैंसर की तरह ब्लैडर कैंसर को शुरुआती स्टेज में पकड़ना इलाज को काफी आसान और प्रभावी बना देता है। ब्लैडर कैंसर का इलाज बीमारी की स्टेज और गंभीरता पर निर्भर करता है। शुरुआती स्टेज में इसे सर्जरी या अन्य ट्रीटमेंट की मदद से कंट्रोल किया जा सकता है। एडवांस स्टेज में यह आसपास के टिश्यू और अंगों तक फैल जाता है, जिस वजह से इलाज काफी जटिल हो जाता है।

महिलाओं को बार बार यूरिन इन्फेक्शन क्यों होता है, जाने बचाव

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

महिलाओं में बार–बार होने वाला यूरिनरी ट्रैक्ट इन्फेक्शन उनकी डेली लाइफ को प्रभावित करता है। जब यूरिन इन्फेक्शन बार–बार होता है तो किडनी तक संक्रमण पहुंचने का जोखिम बढ़ जाता है। न्ज से बचाव के लिए प्रोबायोटिक्स का सेवन फायदेमंद है। प्रोबायोटिक्स गुड बैक्टीरिया को बढ़ाते हैं, जिससे हानिकारक बैक्टीरिया का बढ़ना रुकता है और यूरिन इन्फेक्शन की संभावना कम हो जाती है।

यूटीआई बार-बार क्यों होता है?

बार–बार यूटीआई होने का एक बड़ा कारण वजाइना और यूरिनरी ट्रैक्ट में गुड बैक्टीरिया की कमी हो सकता है। इससे हानिकारक बैक्टीरिया बढ़ने लगते हैं और यूरिन इन्फेक्शन की संभावना बढ़ जाती है। यूरिन इन्फेक्शन ऐसी महिलाओं को बार–बार होता है जो पानी कम पीती हैं, सफाई का ध्यान नहीं रखतीं और लंबे समय तक पेशाब रोकती हैं।

प्रोबायोटिक्स यूटीआई को कैसे रोकते हैं ?

प्रोबायोटिक्स बैक्टीरिया का संतुलन बनाए रखने के साथ यूरिनरी ट्रैक्ट की एपिथीलियल बैरियर को भी मजबूत बनाते हैं। यह बैरियर शरीर की पहली सुरक्षा परत की तरह काम करता है, जो बाहरी इन्फेक्शन शरीर के भीतर प्रवेश करने से रोकता है। प्रोबायोटिक्स सूजन (इंफ्लेमेशन) को कम करने में भी सहायक हैं। प्रोबायोटिक्स के सेवन से इन्फेक्शन के कारण होने वाले दर्द और जलन से राहत मिलती है। प्रोबायोटिक्स में पाए जाने वाले गुड बैक्टीरिया जो शरीर के माइक्रोबायोटा यानी बैक्टीरिया के संतुलन को बनाए रखते हैं। जब यह संतुलन बिगड़ जाता है और हानिकारक बैक्टीरिया बढ़ने लगते हैं, तब यूटीआई का खतरा बढ़ जाता है। प्रोबायोटिक्स में मौजूद गुड बैक्टीरिया शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं और हानिकारक बैक्टीरिया के बढ़े हुए असंतुलन को सुधारकर इन्फेक्शन से लड़ने में मदद करते हैं।

यूटीआई से कैसे करें बचाव ?

यूरिन इन्फेक्शन से बचने के लिए प्रोबायोटिक्स के सेवन के अलावा कुछ आसान लेकिन महत्वपूर्ण आदतें अपनाना जरूरी है। इसके लिए यूरिन इन्फेक्शन से बचाव के लिए रोजाना पर्याप्त पानी पिएं, ताकि बैक्टीरिया शरीर से बाहर निकलते रहें। सफाई का ध्यान न रखने से यूरिन इन्फेक्शन की संभावना बढ़ जाती है। इससे बचने के लिए पर्सनल हाइजीन मेंटेन करें, खासकर पीरियड्स के दौरान। लंबे समय तक पेशाब रोकने से यूरिन इन्फेक्शन का जोखिम बढ़ जाता है। घर से बाहर रहने पर, खासकर वर्किंग वुमन लंबे समय तक यूरिन रोककर रखती हैं। ऐसी महिलाओं को यूटीआई होने का रिस्क ज्यादा रहता है। यूरिन इन्फेक्शन से बचने के लिए प्रोबायोटिक फूड खाएं जैसे दही, छाछ, खमीर वाले यानी फर्मेंटेड फूड को डाइट में शामिल करें।

यूटीआई होने पर क्या करें?

यूटीआई होने पर सबसे पहले उसका कारण जानने की कोशिश करें। यूरिन इन्फेक्शन के लक्षणों को पहचान कर जल्द उसका इलाज कराएं। अगर आपको पेशाब के दौरान जलन, बार–बार पेशाब आना या पेट के निचले हिस्से में दर्द महसूस हो रहा है, तो इसे नजरअंदाज न करें। ये यूटीआई यानी यूरिन इन्फेक्शन के शुरुआती संकेत हो सकते हैं। इसका सही समय पर इलाज बहुत जरूरी है। यूरिन इन्फेक्शन होने पर बिना देर किए इसका उपचार कराएं। इन्फेक्शन फैलने पर इसका असर किडनी पर भी पड़ सकता है। यूरिन इन्फेक्शन के इलाज के दौरान दवाई का कोर्स पूरा करना जरूरी है। बीच में दवा छोड़ने से इन्फेक्शन दोबारा होने की संभावना बढ़ जाती है।

यूटीआई को हल्के में न लें

यूटीआई एक सामान्य समस्या जरूर है, लेकिन इसे हल्के में लेना सही नहीं है। सही खानपान, पर्याप्त पानी और प्रोबायोटिक्स को डाइट में शामिल करके इस समस्या से काफी हद तक बचाव किया जा सकता है। इसके साथ ही पर्सनल हाइजीन का ध्यान रखना भी जरूरी है। इसके बावजूद यूरिन इन्फेक्शन हो जाए तो इसका तुरंत इलाज कराना चाहिए।

दिल की बीमारी का संकेत हो सकती है सांसों की बदबू

मुंह की बदबू एक आम समस्या है, लेकिन सांसों की दुर्गंध अगर लंबे समय तक बनी रहे तो ये मुंह के अलावा दिल के रोगों का संकेत हो सकती है। मुंह की सफाई का ध्यान न रखना, दांतों और मसूड़ों की सही तरीके से सफाई न करना मुंह की बदबू का मुख्य कारण है।

ज्यादातर लोग मुंह की सफाई का ध्यान नहीं रखते, डेंटल चेकअप नहीं कराते, जिसके कारण मुंह की बदबू और दांतों के रोग हो सकते हैं। ओरल हेल्थ के नियमों का पालन करके मुंह की बदबू और कई रोगों से बचा जा सकता है। वर्ल्ड ओरल हेल्थ डे के अवसर पर मुंह की सफाई पर जागरूकता जरूरी है। हाल के अध्ययनों से पता चला है कि एथेरोस्क्लेरोटिक प्लाक में मुंह के जर्म पाए जाते हैं, जो मुंह में इन्फेक्शन और दिल के रोग के बीच संबंध की वजह बनते हैं। मसूड़ों की बीमारी से होने वाली सूजन प्लाक का निर्माण करती है, रक्त वाहिकाओं में संकुचन और अस्थिरता को बढ़ाती है, जिससे हृदय गति रुकने और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। मुंह और शरीर के बीच गहरा संबंध है। मसूड़ों के जर्म और उनके एंडोटॉक्सिन मसूड़ों के टिशू के माध्यम से रक्तप्रवाह में प्रवेश करते हैं, जिससे बैक्टीरियल इन्फेक्शन शुरू हो सकता है। मुंह की दुर्गंध मामूली समस्या नहीं है। अगर लंबे समय तक सांसों में बदबू बनी हुई है तो इसके परिणाम सेहत के लिए हानिकारक हो सकते हैं। मुंह की दुर्गंध मसूड़ों की बीमारी, दांतों में सड़न या इन्फेक्शन का संकेत होने के साथ–साथ कई गंभीर रोगों का कारण भी हो सकती है। मुंह से बदबू से बचने के लिए सबसे पहले उसका कारण समझें, उसके अनुरूप उचित इलाज कराएं।

गर्मी आते ही शरीर में क्यों होने लगती है थकान और सुस्ती?

असल में, मौसम का बदलना सिर्फ हमारे कपड़ों और रूटीन पर ही असर नहीं डालता, बल्कि यह हमारे शरीर के अंदर भी कई तरह के बदलाव लाता है। इंटरनल मेडिसिन के सीनियर डायरेक्टर डॉ. विनीत अरोरा से जानते हैं कि मौसम के बदलने पर हमारा शरीर इतना थका और हारा क्यों महसूस करता है और इससे कैसे बचें। जब बाहर का तापमान बढ़ता है, तो हमारा शरीर को अपने तापमान को सामान्य बनाए रखने के लिए ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। शरीर की इस कूलिंग प्रोसेस (थर्मोरेगुलेशन) को करने में हमारी काफी एनर्जी खर्च हो जाती है। साथ ही गर्मी में पसीना ज्यादा आता है, जिससे शरीर में पानी की कमी यानी डिहाइड्रेशन होने लगता है। ऐसे में अगर हम पर्याप्त पानी न पिएं, तो यही पानी की कमी हमें दिन भर थका हुआ और किसी काम में मन न लगने का अहसास कराती है। इसके अलावा इससे सिरदर्द की समस्या भी होती है। यह वही केमिकल है, जो हमारे मूड को अच्छा और हमें एक्टिव रखता है। इसके कम होने से लोग अक्सर बिना किसी कारण के उदास, सुस्त और चिड़चिड़ा महसूस करते हैं।

थेरेपी की मदद से डाउन सिंड्रोम के लक्षणों को किया जा सकता कंट्रोल

हर साल 'वर्ल्ड डाउन सिंड्रोम डे' मनाया जाता है ताकि लाखों लोगों और उनके परिवारों को इसके बारे में जागरूक किया जा सके। मां के गर्भ में रहने के दौरान 21वें क्रोमोसोम की एक्स्ट्रा कॉपी के कारण बच्चे को ये बीमारी होती है। डाउन सिंड्रोम एक आनुवंशिक विकार है। आमिर खान ने अपनी फिल्म सितारे जमीन पर में डाउन सिंड्रोम से पीड़ित बच्चों की समस्या को दर्शकों के सामने रखा, जिसकी वजह से इस बीमारी को लेकर जागरूकता बढ़ी। 'डाउन सिंड्रोम' बच्चे के शारीरिक विकास और सीखने की क्षमताओं को प्रभावित करता है। जागरूकता और सतर्कता से डाउन सिंड्रोम से काफी हद तक बचा जा सकता है। डाउन सिंड्रोम एक आनुवंशिक विकार है। गर्भावस्था के दौरान जेनेटिक बदलाव के कारण बच्चा डाउन सिंड्रोम की चपेट में आ जाता है। यह विकार तब होता है जब किसी व्यक्ति के शरीर में 21वें क्रोमोसोम की एक्स्ट्रा कोपी होती है। डाउन सिंड्रोम से पीड़ित बच्चों का शारीरिक और मानसिक आम बच्चों की तरह सही तरीके से नहीं हो पाता। जिन बच्चों में डाउन सिंड्रोम की समस्या होती है उन्हें कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं होती हैं, लेकिन सही देखभाल और उचित उपचार से इन समस्याओं को नियंत्रित किया जा सकता है।

Page Three

ऑस्ट्रेलिया में छाईं अरुंधति रेड्डी

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने ऑस्ट्रेलिया में जाकर ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम से 2–1 से टी20 सीरीज जीती। उस सीरीज में अरुंधति रेड्डी ने अच्छी गेंदबाजी की। वह सीरीज में लीडिंग विकेट टेकर रहीं। उन्होंने 7.25 की इकॉनमी से गेंदबाजी करते हुए 8 विकेट लिए। आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ बनना खास सम्मान की बात है, यह और भी ज्यादा इसलिए खास है क्योंकि मैं ऑस्ट्रेलिया में टी20 सीरीज जीतने में कॉन्ट्रीब्यूट कर पाई। ऑस्ट्रेलिया को उनके घर पर हराना आसान नहीं है, जो इस अवॉर्ड को और भी ज्यादा महत्वपूर्ण बनाता है।

पाकिस्तानी साहिबजादा फरहान पर आईसीसी मेहरबान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। पाकिस्तान के ओपनर साहिबजादा फरहान और भारत की तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी को फरवरी में उनके शानदार प्रदर्शन के लिए आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड दिया गया है। मेंस प्लेयर ऑफ द मंथ के अवॉर्ड के लिए साहिबजादा फरहान के साथ अमेरिका के शेडली वेन शाल्कविक और इंग्लैंड के विल जैक्स भी नॉमिनेट हुए थे। वहीं वुमेंस प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड के लिए भारत की अरुंधति रेड्डी के साथ श्रीलंका की हर्षिता समारविक्रमा और पाकिस्तान की फातिमा सना भी नॉमिनेट हुई थीं।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में पाकिस्तानी ओपनर साहिबजादा फरहान ने शानदार प्रदर्शन किया, जिसके चलते उन्हें फरवरी के लिए प्लेयर ऑफ द मंथ का अवॉर्ड मिला। उन्होंने 7 मैचों में 2 शतक के चलते 383 रन ठोके। वह एक एडिशन में टी20 वर्ल्ड कप में 2 शतक लगाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। इसके अलावा साहिबजादा ने विराट कोहली का एक टी20 वर्ल्ड कप के एडिशन में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड भी तोड़ा। साहिबजादा फरहान ने अवॉर्ड जीतने पर कहा, यह आईसीसी अवॉर्ड जीतना शानदार एहसास है।

पाकिस्तान सुपर लीग पर मंडरा रहे संकट के बादल

वॉर्नर-स्मिथ समेत इन विदेशी खिलाड़ियों को मिली धमकी

क्रिकेट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। पाकिस्तान सुपर लीग 2026 शुरू होने से पहले ही टूर्नामेंट पर संकट के बादल मंडराने लगे है। पीसीबी ने पहले ही पीएसएल के आयोजन को बिना दर्शकों के कराने का फैसला किया है। वहीं, रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तान के एक सशस्त्र संगठन जमात–उल–अहरार ने विदेशी खिलाड़ियों को पाकिस्तान सुपर लीग में हिस्सा न लेने की चेतावनी दी है। इस लिस्ट में डेविड वॉर्नर, स्टीव स्मिथ और डेरिल मिचेल जैसे बड़े नाम शामिल हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, जमात उल–अहरार नाम के एक सशस्त्र समूह ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटरों जैसे डेविड वॉर्नर, स्टीव स्मिथ और डेरिल मिचेल को ये वॉर्निंग दी है कि वे पाकिस्तान आकर पीएसएल में हिस्सा न लें। इस संगठन का कहना है कि मौजूदा सुरक्षा हालात अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के

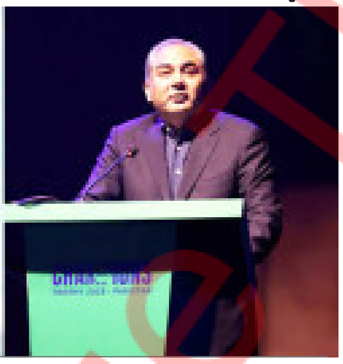

लिए सुरक्षित नहीं हैं। उन्होंने साफ शब्दों में कहा है कि अगर खिलाड़ी पाकिस्तान आते हैं, तो उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी उनकी नहीं होगी।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, विदेशी खिलाड़ियों को टूर्नामेंट से हटने की सलाह दी गई है। ये भी कहा गया है कि इस धमकी को नजरअंदाज करने पर गंभीर परिणाम भुगतना पड़ सकता है। यहां तक कहा गया कि मैचों को रद करने की कोशिश की जा सकती है। इन सबका असर पीएसएल पर पड़ेगा, जहां पहले ही पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने ये कहा कि पीएसएल 2026 को सीमित शहरों में और बंद दरवाजों के पीछे आयोजित किया जाएगा। इसके पीछे पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष और बढ़ती ईंधन कीमतों को कारण बताया गया था।

हालांकि, अब इन धमकियों के बाद पीसीबी के सामने सुरक्षा सुनिश्चित करने की बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है। पीएसएल की शुरुआत 26 मार्च से होनी है, लेकिन इन धमकियों के बाद सबकी नजरें विदेशी खिलाड़ियों के फैसले पर टिकी है। अगर हालात नहीं सुधरे, तो टूर्नामेंट के आयोजन पर असर पड़ सकता है और कई खिलाड़ियों को इस लीग से अपना नाम वापस लेते हुए देखा जा सकता है।

खिलाड़ियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए अमिनुल हक ने क्रिकबज से बातचीत में कहा, अगर पीएसएल में सुरक्षा संबंधी कोई भी चिंता है तो निश्चित रूप से हमारे क्रिकेटर वहां नहीं जाएंगे। पहले बीसीबी को हमें सुरक्षा स्थिति के बारे में सूचित करना होगा और उसके बाद हम अपनी जांच और अवलोकन के आधार पर आधिकारिक निर्णय लेंगे। हालांकि उन्होंने यह भी जोड़ा कि यदि बीसीबी और पाकिस्तान सरकार पर्याप्त सुरक्षा आश्वासन देते हैं तो उन्हें खिलाड़ियों के खेलने पर कोई आपत्ति नहीं होगी।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के प्रैक्टिस मैच में रनों का अंबार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बेंगलुरु। आईपीएल 2026 के शुरू होने से पहले सभी टीमें प्रैक्टिस मैच खेल रही हैं। बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने प्रैक्टिस मैच खेला। इस मुकाबले में आरसीबी टीम वेंकी और टीम क्रुणाल में बंट गई। इस मुकाबले में रनों की बरसात देखने को मिली। पहले बैटिंग करते हुए टीम वेंकी ने 7 विकेट पर 234 रन ठोके। विराट कोहली वेंकी टीम का हिस्सा थे।

आरसीबी के विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा ने इस मुकाबले में सबसे बड़ी पारी खेली। टीम वेंकी के लिए उन्होंने सिर्फ 37 गेंदों पर 81 रन ठोक दिए। जितेश भारतीय टी20 टीम का लगातार हिस्सा थे लेकिन टी20 विश्व कप में उन्हें खेलने का मौका नहीं मिला था। विराट कोहली के बल्ले से 12 गेंद पर 29 रन

■रजत पाटीदार ने 25 गेंद पर ठोके 74 रन

निकले। ऑस्ट्रेलिया के टीम डेविड ने 14 गेंद पर 36 जबकि कप्तान वेंकटेश अय्यर ने 16 गेंदों पर 36 रन बनाए।

235 रनों के लक्ष्य का पीछे करते हुए टीम क्रुणाल ने जीत हासिल की। आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार के बल्ले से सिर्फ 25 गेंदों पर 74 रनों की पारी निकली। क्रुणाल पंड्या ने 33 गेंद पर 58 रनों का योगदान दिया। देवदत्त पडिक्कल ने प्लेइंग इलेवन के लिए दावेदारी पेश कर दी है। उन्होंने 33 गेंदों का सामना किया और 63 रन बनाए। टीम क्रुणाल ने पूरे 20 ओवर में खेले और 247 रन बनाकर मैच जीत लिया।

आरसीबी ने लंबे समय के सूखे को खत्म करते हुए आईपीएल 2025 का खिताब जीता था। फाइनल में आरसीबी ने पंजाब किंग्स को हराया था।

आईपीएल 2026 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु पहले ही मैच में मैदान पर होगी। टीम की टक्कर अपने घरेलू मैदान पर सनराइजर्स हैदराबाद से होगी। हैदराबाद की टीम पिछले सीजन प्लेऑफ में जगह नहीं बना पाई है। टीम के नियमित कप्तान पैट कमिंस शुरुआती मैचों में उपलब्ध नहीं रहेंगे। ऐसे में टीम ईशान किशन की कप्तानी में मैदान पर नजर आएगी।

यश दयाल-श्वेता पुंडीर की हल्दी सेरेमनी की फोटोज आई सामने

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के तेज गेंदबाज यश दयाल इन दिनों सुर्खियों में बने हुए हैं। इसकी वजह क्रिकेट नहीं बल्कि उनकी प्रसनल लाइफ है। यश ने हाल ही में दिल्ली की रहने वाली कंटेंट क्रिएटर श्वेता पुंडीर से शादी रचाई है। इसके चलते वह काफी ज्यादा लाइमलाइट में है। श्वेता इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव रहती हैं और आए दिन फोटोज और वीडियो शेयर करती रहती हैं। अब श्वेता ने अपनी हल्दी सेरेमनी की कुछ फोटोज शेयर की हैं, जिसमें कपल काफी मस्ती करते हुए नजर आ रहा है। हल्दी सेरेमनी में यश दयाल ने पीला कुरता और श्वेता पुंडी ने येलो साड़ी पहन रखी है। शेयर की गई फोटोज में दोनों को हल्दी लगी हुई है और दोनों काफी मस्ती करते हुए नजर आ रहे हैं। एक फोटो में दोनों स्विमिंग पूल में भी खड़े हुए हैं। यश दयाल ने हालांकि अपनी शादी को लेकर इंस्टाग्राम पर कोई फोटो या वीडियो नहीं डाली है।

न्यूज डायरी

आकाश की जगह पर केकेआर ने सौरभ दुबे को किया टीम में शामिल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। आईपीएल 2026 की शुरुआत से पहले ही कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को एक और बड़ा झटका लगा है। आकाश दीप आगामी सीजन से बाहर हो गए हैं। आकाश की जगह पर केकेआर ने सौरभ दुबे को टीम में शामिल किया है। सौरभ इससे पहले सनराइजर्स हैदराबाद टीम का हिस्सा रह चुके हैं। आईपीएल 2022 के ऑक्शन में सनराइजर्स हैदराबाद ने सौरभ दुबे को 20 लाख में खरीदा था। हालांकि सौरभ को आईपीएल में डेब्यू करने का मौका नहीं मिल सका था। आईपीएल 2026 के ऑक्शन में सौरभ ने अपना बेस प्राइस 30 लाख रखा था लेकिन उन्हें खरीदने में किसी भी टीम ने दिलचस्पी नहीं दिखाई थी। क्रिकबज के मुताबिक सौरभ पहले से ही केकेआर टीम के साथ ट्रेनिंग कर रहे हैं। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज सौरभ घरेलू क्रिकेट में विदर्भ की ओर से खेलते हैं। सौरभ ने अब तक लिस्ट–ए क्रिकेट में 8 मुकाबले खेले हैं और 16 विकेट चटकाए हैं। वहीं वह 3 टी20 मैच भी खेल चुके हैं। साल 2019 में खेले गए एसीसी इमर्जिंग एशिया कप में दुबे भारतीय टीम का हिस्सा रहे थे। लिस्ट–ए क्रिकेट के अपने डेब्यू मुकाबले में सौरभ ने नेपाल के खिलाफ बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए सिर्फ 26 रन देकर 4 विकेट निकाले थे और उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया था। उन्होंने टूर्नामेंट में कुल 7 विकेट झटके थे। केकेआर का तेज गेंदबाजी अटैक इस सीजन काफी कमजोर नजर आ रहा है। खबरों के अनुसार हर्षित राणा और आकाश दीप टूर्नामेंट से बाहर हो चुके हैं। वहीं, मथीशा पथिराना शुरुआती मुकाबलों के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। खिलाड़ियों की इंजरी से केकेआर का खेमा काफी परेशानी में दिख रहा है।

मिचेल स्टार्क चल रहे हैं चोटिल, ऑस्ट्रेलिया ने अब तक नहीं दी एनओसी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। आईपीएल 2026 से पहले सभी टीमों के लिए स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। कई खिलाड़ी चोट की वजह से बाहर हो चुके हैं, जबकि कुछ सीजन के शुरुआती मैचों में नहीं खेल पाएंगे। इसी कड़ी में दिल्ली कैपिटल्स के लिए ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क की उपलब्धता को लेकर अब तक स्पष्ट जानकारी नहीं है। दिल्ली के कोच हेमंग बदानी ने स्टार्क को लेकर ताजा अपडेट दिया है। बदानी का कहना है कि स्टार्क को लेकर कुछ भी अब तक स्पष्ट नहीं है। दिल्ली के कोच ने बताया कि स्टार्क को अब तक क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की तरफ से एनओसी नहीं मिली है। तो वहीं कप्तान अक्षर पटेल को भरोसा है कि ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज जल्द ही टीम के साथ जुड़ेंगे। बता दें कि ऑस्ट्रेलिया के स्टार्क, पैट कमिंस और जोश हेजलवुड तीनों ही अब तक अपनी–अपनी टीमों के साथ नहीं जुड़े हैं। बदानी ने मीडिया से बात करते हुए कहा, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से मिचेल स्टार्क के बारे में कोई अपडेट नहीं मिला है। जैसे ही स्थिति स्पष्ट होती है, सारी चीजें सामने आ जाएंगी। दिल्ली के कोच की इन बातों से साफ है कि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज को लेकर अब तक कुछ भी स्पष्ट नहीं है। आईपीएल 2026 की शुरुआत 28 मार्च से होने वाली है। अगर स्टार्क को जल्द एनओसी नहीं मिलती है, तो शायद पहले कुछ मैचों में न खेल पाएं।

जितेश शर्मा ने वैभव सूर्यवंशी को लेकर चौंकाने वाला बयान दिया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। वैभव सूर्यवंशी, एक ऐसा नाम, जिसने बेहद ही कम समय में, कम उम्र में, जो अपनी बैटिंग से जलवा बिखेरकर हर किसी के दिलों में अपनी जगह बनाई। विश्व क्रिकेट में वैभव की बैटिंग की तुलना क्रिस गेल से होने लगी है। यहीं, नहीं हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान वैभव ने गेल के 175 रन के रिकॉर्ड को तोड़ने का भी जिक्र किया था। अब आईपीएल के 19वें सीजन से पहले हर किसी की नजरें वैभव पर बनी हुई हैं, जिन्होंने पिछले सीजन में धमाकेदार बैटिंग कर विश्व क्रिकेट को हैरत में डाल दिया था। ऐसे में इस बार वैभव कैसा परफॉर्म करेंगे ये देखने लायक होगा। इस बीच टूर्नामेंट से पहले आरसीबी के स्टार जितेश शर्मा ने वैभव के फ्यूचर को लेकर चौंकाने वाला बयान दिया। उनका मानना है कि ये युवा खिलाड़ी अपने करियर में कभी भी प्रोफेशनल नहीं बन पाएगा। जितेश का ये बयान तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। उन्होंने कहा कि इतनी कम उम्र में जिस तरह वैभव ने अपने खेल को संभाला है, वह काबिल–ए–तारीफ है।

हमारा दून

नई कार्य संस्कृति विकसित

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रदेश सरकार देहरादून को एक आधुनिक और विकसित शहर बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ निरंतर कार्य कर रहे हैं। आज देहरादून में लगभग 14 सौ करोड़ रुपये से अधिक लागत की विभिन्न विकास परियोजनाओं पर काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों के समय केवल घोषणाएं होती थी, तब केंद्र से भेजा गए 1 रुपए में से 15 पैसे ही लोगों तक पहुंच पाते थे। परंतु आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में नई कार्य संस्कृति का सूत्रपात कर शासन व्यवस्था से दलालों और बिचौलियों का सफाया करने का काम किया। इसलिए आज प्रदेश सरकार जिस कार्य का शिलान्यास करती है उसे तय समय में पूर्ण कर उसका लोकार्पण भी करती है।

30 हजार युवाओं को मिली सरकारी नौकरी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि पहले प्रदेश में नकल और पेपर लीक के कारण प्रतिभावान युवाओं के सपने चूर–चूर हो जाते थे। इसलिए युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों पर अंकुश लगाने के लिए प्रदेश सरकार सख्त नकल विरोधी कानून लेकर आई।

पूरा हो रहा देवभूमि का गौरव पुनर्स्थापित करने का संकल्प: सीएम

शिलान्यास

■विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास, लोकार्पण के साथ ही विकास प्रदर्शनी का भी किया अवलोकन

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को सरकार के चार वर्ष पूरा होने पर परेड ग्राउंड में आयोजित 4 साल बेमिसाल कार्यक्रम को संबोधित किया। इस मौके पर उन्होने विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास भी किया।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को नवरात्र की शुभकामनाओं देने के साथ अपनी बात रखते हुए कहा कि आज से चार वर्ष पूर्व प्रदेश की जनता ने सभी मिथकों तोड़कर, उन्हें पुनरू राज्य की सेवा का अवसर प्रदान किया था। इसके बाद इसी मैदान में शपथ ग्रहण के दौरान उन्होंने राज्य आंदोलनकारियों के सपनों के अनुसार देवभूमि के गौरव को पुनर्स्थापित करने का संकल्प लिया था। अब चार साल के बाद वो गर्व से कह सकते हैं कि वो संकल्प तेजी से सिद्धि की ओर बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि पीएम मोदी ने वर्ष 2021 में बाबा केदारनाथ की दिव्य धरा से कहा था कि "21वीं सदी का तीसरा दशक उत्तराखंड का दशक होगा। इसलिए प्रदेश सरकार प्रध ाानमंत्री के मुख से निकले इन शिवोमयी शब्दों को चरितार्थ करने के संकल्प को लेकर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी के कुशल नेतृत्व में राज्य सरकार ने बीते चार वर्षों में जहां सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, रेल एवं हवाई कनेक्टिविटी को मजबूत कर नागरिकों के जीवन स्तर को ऊँचा उठाने का प्रयास किया है। वहीं, विभिन्न नीतियों और योजनाओं के माध्यम से प्रदेश के समग्र विकास का विजन प्रस्तुत किया है। इन्हीं प्रयासों से बीते चार वर्षों में राज्य ऐसी कई ऐतिहासिक उपलब्धियों का साक्षी बना है जो किसी भी छोटे राज्य के लिए असंभव समझी जाती थीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहली बार राज्य में जी–20 जैसे वैश्विक सम्मेलन की बैठकों का सफल आयोजन किया गया, वहीं राष्ट्रीय खेलों का भी भव्य आयोजन किया गया। इतना ही नहीं, पहली बार उत्तराखंड में ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन किया गया, जिसमें 3.76 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिसमें से 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश को धरातल पर उतारा जा चुका है।

सीएम ने कहा कि नीति आयोग द्वारा जारी वर्ष 2023–24 के सतत् विकास लक्ष्य इंडेक्स में उत्तराखंड को प्रथम स्थान प्राप्त होने से राज्य सरकार के प्रयासों पर मुहर लगी है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में भी उत्तराखंड को एचीवर्स तथा स्टार्टअप रैंकिंग में लीडर्स की श्रेणी भी प्राप्त हुई है। नीति आयोग द्वारा जारी इंडिया इनोवेशन इंडेक्स रिपोर्ट में हिमालयी राज्यों की श्रेणी में दूसरा स्थान प्राप्त हुआ। बीते चार वर्षों से लगातार देश में "मोस्ट फिल्म फ्रेंडली स्टेट" होने का गौरव प्राप्त हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज उत्तराखंड को नेशनल लॉजिस्टिक्स इंडेक्स, स्टेट स्टार्टअप इकोसिस्टम, स्टेट एनर्जी एंड ग्रीन इंडेक्स जैसे कई राष्ट्रीय सूचकांकों में भी विभिन्न पुरुस्कार प्राप्त हुए हैं। राज्य को खनन क्षेत्र में किए गए सुधारों के लिए केंद्र सरकार द्वारा जारी "राज्य खनन तत्परता सूचकांक'' में देशभर में दूसरा स्थान प्राप्त हुआ है, साथ ही, इसके लिए राज्य को 200 करोड़ रुपये का पुरस्कार भी प्रदान किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा लिए गए सख्त और पारदर्शी निर्णयों का ही परिणाम है कि आबकारी और खनन जैसे विभागों से राज्य को पहले की तुलना में कई गुना अधिक राजस्व प्राप्त हो रहा है।

रखी सरकार की प्रगति रिपोर्ट

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि बीते चार साल में राज्य की आर्थिकी में डेढ़ गुना से अधिक की वृद्धि हुई है और बीते एक वर्ष में राज्य की जीएसडीपी में 7.23 फीसदी की बढ़ोत्तरी हुई, साथ ही प्रतिव्यक्ति आय में भी 41 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इस दौरान राज्य में 20 हजार से अधिक नए उद्योग स्थापित हुए हैं, वहीं स्टार्टअप की संख्या 7 सौ से बढ़कर साढ़े 17 सौ हो गई है। यही नहीं इस दौरान 2 लाख 65 हजार से अधिक माताएं–बहनें लखपति दीदी बनी हैं। राज्य सरकार के सतत प्रयासों से रिवर्स पलायन में 44 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की है।

संक्षिप्त समाचार

मिट्टी से–नायक से जन नायक पुष्कर सिंह धामी'' पंचाग टेबल कैलेंडर का विमोचन

संवाददाता देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को मुख्यमंत्री आवास में पंचांग टेबल कैलेंडर ''उत्तराखण्ड़ की मिट्टी से–नायक से जन नायक पुष्कर सिंह धामी'' का विमोचन किया। सीएम ने कहा कि इस पंचांग कैलेंडर में तिथि, वार, पक्ष, मास, पर्व एवं विशेष दिवसों की जानकारी के साथ पारंपरिक त्योहारों, व्रतों आदि को दर्शाया गया है। सीएम ने कहा कि इससे लोगों को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जुड़ने का अवसर मिलेगा। इस कैलेंडर की संकल्पना मुख्यमंत्री के मीडिया समन्वयक मदन मोहन सती द्वारा की गई है। इस पंचाग टेबल कैलेंडर में मुख्यमंत्री जी द्वारा जनहित में लिए गये दूरदर्शी र्निणयों राज्य सरकार की योजनाओं, उपलब्धियों तथा जनकल्याणकारी नीतियों को भी समाहित किया गया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के प्रिटर्स,74/9,आराघर,देहरादून
से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड,
पी.ओ–राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादकः प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालयः
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल
दर्शनलाल चौक, देहरादून।

(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून
ही मान्य होगा।

कांग्रेस ने गैस संकट मुद्दे पर डीएसओ को घेरा

मांग

■कांग्रेस वर्करों के एक प्रतिनिधिमंडल ने जिला पूर्ति अधिकारी से मुलाकात की

संवाददाता

देहरादून। महानगर कांग्रेस कमेटी ने गैस आपूर्ति की कमी, वितरण व्यवस्था में सुधार आदि मुद्दों को खाद्य पूर्ति अधिकारी के समक्ष उठाया। कहा कि शहर में गैस सिलेंडरों का बैकलॉग हजारों की संख्या में पहुंचने से उपभोक्ताओं को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। सोमवार को महानगर कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष लालचन्द शर्मा के नेतृत्व में कांग्रेस वर्करों के एक प्रतिनिधिमंडल ने जिला पूर्ति अधिकारी से मुलाकात की। उन्होंने शहर में गैस आपूर्ति की कमी, वितरण व्यवस्था में सुधार, नवगठित शहरी वार्डों के लिए गैस लिमिट संशोधन एवं उपभोक्ताओं की समस्याओं के समाधान के लिए डीएसओ ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में पूर्व महानगर कांग्रेस अध्यक्ष लालचन्द शर्मा ने कहा कि वर्तमान समय में अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के कारण घरेलू एवं व्यावसायिक गैस की आपूर्ति प्रभावित हुई है।

इससे जनता परेशान हो रही है। शहर में गैस सिलेंडरों का बैकलॉग हजारों की संख्या में पहुंच गया है, जिससे उपभोक्ताओं को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। प्रशासन द्वारा स्थिति सामान्य होने के दावे किए जा रहे हैं, लेकिन जमीनी हकीकत इसके उलट है। कहा कि लोगों को आज भी गैस एजेंसियों और गोदामों के चक्कर काटने पड़ रहे हैं और उन्हें समय पर गैस उपलब्ध नहीं हो पा रही है।

लालचन्द शर्मा ने बताया कि एनएफएसए के राशन कार्डों में पिछले डेढ़ साल से नवजात शिशुओं और नवविवाहित महिलाओं के नाम दर्ज नहीं हो पा रहे हैं, जिससे पात्र परिवारों को लाभ नहीं मिल रहा है। उन्होंने मांग की कि पात्र व्यक्तियों के नए राशन कार्ड बनाए जाएं, अंत्योदय कार्ड की तर्ज पर चीनी का आवंटन जारी किया जाए।

फूड वेंडर्स की आजीविका प्रभावित हो रहीः राजकुमार

प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि निगम में शामिल किए गए कई नए वार्ड पहले ग्रामीण क्षेत्र में थे, लेकिन अब भी वहां 45 दिन की गैस आपूर्ति सीमा लागू है। घरेलू गैस लगभग 28 दिन में समाप्त हो जाती है। गैस संकट के कारण छोटे व्यापारी जैसे फास्ट फूड विक्रेता, चाय दुकान संचालक और फूड वेंडर्स की आजीविका प्रभावित हो रही है। वहीं गोशालाओं में पशुओं के लिए चारा तैयार करने में भी गैस की कमी से कठिनाई उत्पन्न हो रही है। पूर्व विधायक राजकुमार ने सुझाव दिया कि नवगठित वार्डों को तत्काल शहरी सूची में शामिल किया जाए, ताकि वहां शहरी मानकों के अनुसार गैस आपूर्ति सुनिश्चित हो सके।

#धामीसरकारके4सालबेमिसाल एक्स पर करता रहा ट्रेंड

संवाददाता देहरादून। उत्तराखंड में मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार ने सोमवार को अपने चार वर्ष का कार्यकाल सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया है। यह 4 वर्ष विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धियों से भरा रहा। इस अवसर पर प्रदेश भर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया, वहीं सोशल मीडिया पर भी लोगों ने सरकार की उपलब्धियों की सराहना की। चार साल पूरे होने के मौके पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर #धामीसरकारके4सालबेमिसाल ट्रेंड करता रहा और यह हैशटैग लंबे समय तक नंबर 1 पर बना रहा। देशभर से लोगों, जनप्रतिनिधियों और विभिन्न संगठनों ने मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व की सराहना करते हुए राज्य में हुए विकास कार्यों को सोशल मीडिया के माध्यम से रेखांकित किया। सोशल मीडिया एक्स पर प्रशांत कुमार ने लिखा कि मुख्यमंत्री सौर स्वरोजगार योजना से युवाओं को ऊर्जा उद्यमी बनाया जा रहा है। पर्यावरण संरक्षण के साथ–साथ रोजगार के नए अवसर प्रदेश में सृजित हो रहे।

मासूम से छेड़छाड़ के दोषी मिस्त्री को पांच साल की कैद

संवाददाता देहरादून। विशेष न्यायाधीश (पोक्सो) अर्चना सागर की अदालत ने एक साढ़े छह वर्षीय मासूम बच्ची के साथ अश्लील हरकत और छेड़छाड़ करने के दोषी मिस्त्री को पांच वर्ष के कठोर कैद की सजा सुनाई है। अदालत ने दोषी पर 10,000 रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। वहीं पीड़िता को राज्य सरकार से 50 हजार रुपये की मदद दिलाने का आदेश दिया है।